सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 313 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 26 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

शराब दुकानों में कैशलेस बिक्री, ऑनलाइन पेमेंट होगी शुरू

रायपुर। आबकारी विभाग द्वारा ऑनलाइन पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ के सभी शराब दुकानों में जल्द ही कैशलेश व्यवस्था लागू होगी। शराब दुकानों में अब आनलाइन भुगतान कर शराब क्रय किया जा सकेगा। आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक में इस संबंध में कहा कि शराब दुकानों में ऑनलाइन भुगतान को प्रोत्साहित किया जाए। शराब दुकानों में शत-प्रतिशत भुगतान ऑनलाइन के माध्यम से होना चाहिए।

आबकारी मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री के मंशा के अनुरूप मदिरा दुकानों में सीसी टीवी कैमरा स्थापित कर मुख्यालय से 24 घंटे सतत निगरानी रखी जाए। अवैध मदिरा एवं मादक पदार्थों के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों में सतर्कता बढ़ाने और विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया।

बैठक में आबकारी मंत्री देवांगन ने होटल एवं ढाबों, फॉर्म हाउस में मदिरा की अवैध बिक्री, सेवन न हो इस पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसके आलावा उन्होंने मदिरा दुकानों की व्यवस्था सहित लायसेंस व्यवस्था, मार्केटिंग कार्पोरेशन और बार-क्लब की जानकारी ली। उन्होंने फॉर्म हाउस में होने वाले शराब की पार्टियों पर कारवाई करने निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वाणिज्य कर आबकारी विभाग की सचिव श्रीमती आर. शंगीता ने विभागीय गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण के जरिए विस्तार से जानकारी दी। बैठक में आबाकारी विभाग के विशेष सचिव देवेन्द्र कुमार भारद्वाज, अपर आयुक्त आशीष श्रीवास्तव, पीएल साहू, जीके भगत छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉरपोरेशन के अधिकारी उपस्थित थे।

ओसाका इन्वेस्टर कनेक्टः छत्तीसगढ़ ने जीता निवेशकों का भरोसा

छत्तीसगढ़ का निवेश-अनुकूल इकोसिस्टम : जापानी कंपनियों ने दिखाई गहरी रुचि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में आयोजित प्रतिष्ठित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, प्रतिभाशाली मानवबल और उद्योग-अनुकूल नीतियों का सशक्त संगम है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और जापान विश्वास एवं साझा मूल्यों की गहरी डोर से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी साझेदारों से आह्वान किया कि वे नवाचार, अवसर और साझा समृद्धि से आगे बढ़ रही छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में भागीदार बनें।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरताज फूड्स, ओसाका को छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 11.45 मिलियन डॉलर (100 करोड़) का निवेश प्रस्ताव दिया। यह परियोजना राज्य के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नई ऊँचाई देगी, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी और किसानों को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (BwG) बैठकों के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री साय ने मोराबु हंशिन कंपनी के प्रेसिडेंट एवं रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर नाओयुकी शिमाडा से भी भेंट की। यह कंपनी कुशल इंजीनियरों, सिस्टम डेवलपमेंट और वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी है। बैठक में कौशल प्रशिक्षण और वर्कफोर्स एक्सचेंज के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा और राज्य का कौशल तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रचुर खनिज संपदा, सक्रिय सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम, विश्वस्तरीय औद्योगिक ढाँचा और वैश्विक निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है। राज्य में किए जा रहे सुधारों और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की जापानी प्रतिनिधियों ने सराहना की। विशेषकर फूड प्रोसेसिंग, प्रौद्योगिकी और उन्नत वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में निवेश की इच्छुक कंपनियों ने छत्तीसगढ़ को उपयुक्त अवसरों का प्रदेश बताया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ निवेश-अनुकूल इकोसिस्टम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ वैश्विक साझेदारों को अवसर और सहयोग दोनों मिलते हैं। जापान के साथ हमारी साझेदारी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। ओसाका में हुई चर्चाएँ न केवल निवेश लेकर आएँगी, बल्कि हमारे किसानों को सशक्त बनाएँगी, युवाओं के लिए रोजगार उत्पन्न करेंगी और विकसित छत्तीसगढ़ की नींव को और अधिक मजबूत करेंगी।

मुख्यमंत्री साय पहुँचे छत्तीसगढ़ पैवेलियन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ओसाका (जापान) में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो 2025 के भारत मंडपम के अंतर्गत स्थापित छत्तीसगढ़ पैवेलियन पहुँचे। यहाँ उन्होंने प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और आधुनिक प्रगति को दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उल्लेखनीय है कि उद्घाटन दिवस पर ही छत्तीसगढ़ पैवेलियन में 22 हजार से अधिक दर्शक पहुँचे। यहाँ आने वाले लोग प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आदिवासी लोककला, उद्योग और पर्यटन की अनूठी झलक देखकर उत्साहित हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज अपनी परंपरा और आधुनिकता के अनूठे संगम के साथ दुनिया के सामने उभर रहा है। हमारी पहचान केवल धरोहर और लोकसंस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योग, नवाचार और वैश्विक सहयोग की दिशा में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला, बुनाई, हस्तनिर्मित उत्पाद, हर्बल आइटम्स और पर्यटन स्थलों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। साथ ही, प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, निवेश अवसर और भविष्य की संभावनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। जापान और अन्य देशों से आए आगंतुकों ने छत्तीसगढ़ के पैवेलियन की सराहना करते हुए विशेष रूप से हस्तशिल्प और बांस उत्पादों, बस्तर आर्ट और लोकसंगीत पर आधारित प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। इससे अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच प्रदेश की एक सकारात्मक छवि बनी।

मुख्यमंत्री साय ने पवेलियन में मौजूद मेहमानों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश और साझेदारी के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रदेश के साथ जुड़कर विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाने का आमंत्रण दिया। श्री साय ने कहा कि वर्ल्ड एक्सपो जैसे वैश्विक मंच पर हमारी भागीदारी यह संदेश देती है कि छत्तीसगढ़ केवल भारत का ही नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारी का भी एक मजबूत केंद्र बन सकता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न देशों से आए निवेशकों और प्रतिनिधियों से भी चर्चा की। औद्योगिक विकास, पर्यटन संवर्द्धन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर केंद्रित इन मुलाकातों ने भविष्य में सहयोग के नए अवसर खोले। छत्तीसगढ़ पवेलियन की भव्यता और उसमें प्रदर्शित सामग्री ने यह संदेश दिया कि प्रदेश न केवल अतीत की सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध है, बल्कि आने वाले कल का भविष्य-रेडी हब भी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का यह प्रवास छत्तीसगढ़ को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बाल-बाल बची 426 बच्चों की जानः खाने में मिलाया फिनाइल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा जिले के पाकेला के पोटाकेबिन छात्रावास में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन से तेज जहरीली गंध आने लगी। भोजन में मिलावट का अंदेशा होते ही बच्चों ने खाने से इनकार कर दिया और इसकी जानकारी स्टाफ को दी। इसी सतर्कता की वजह से 426 बच्चों की जिंदगी बच गई, वरना मामूली लापरवाही एक बड़े हादसे में बदल सकती थी। प्रारंभिक जानकारी में यह सामने आया है कि शिक्षक और अधीक्षक के बीच चली आ रही आपसी दुश्मनी ने इस खतरनाक साजिश को जन्म दिया।

जैसे ही मामला उजागर हुआ, पोटाकेबिन परिसर में हड़कंप मच गया। तुरंत भोजन को नष्ट कर दिया गया और अधिकारियों को खबर दी गई। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है, क्योंकि शिक्षा संस्थानों में बच्चों की सुरक्षा के साथ इस तरह का खिलवाड़ अब तक का सबसे चौंकाने वाला मामला माना जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल एक उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर बच्चों और कर्मचारियों से पूछताछ की तथा प्रारंभिक तथ्य जुटाए।

प्रशासन का कहना है कि दोषियों की पहचान कर जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने साफसंकेत दिया है कि बच्चों की जान से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। जांच समिति से 48 घंटे में विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है, जिसके आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। यह मामला जहां बच्चों की सतर्कता का उदाहरण है, वहीं इसने सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

साइबर ठगी : म्यूल बैंक खाता रैकेट का मास्टरमाइंड हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ में साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी के मामलों पर नकेल कसने की दिशा में रामानुजगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो भोले-भाले लोगों को प्रति माह 5000 रुपए की आमदनी का लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाता था और इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को ट्रांजैक्ट करने में करता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल उर्फ चंद्रमणि सिंह (40), निवासी सिलफिली, सूरजपुर के रूप में हुई है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी विशाल लोगों को यह झांसा देता था कि यदि वे अपने नाम से बैंक खाता खुलवाएंगे, तो हर महीने उन्हें 5000 रुपए मिलेंगे। इसी प्रलोभन में फंसकर कई ग्रामीणों ने खाते खुलवाए। इनमें से एक था जसनाथ मिंज, जिसका खाता बाद में ठगी में इस्तेमाल हुआ। केनरा बैंक खाते से हुआ खुलासा रामानुजगंज थाना क्षेत्र में चल रही म्यूल अकाउंट की जांच के दौरान जसनाथ मिंज का केनरा बैंक खाता संदिग्ध पाया गया। जांच में पता चला कि इस खाते में 3,90,639 रुपए का अवैध लेनदेन हुआ है। रकम विभिन्न साइबर ठगी घटनाओं से जुड़ी थी। इस पर 19 जुलाई को जसनाथ मिंज को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पूरे रैकेट का संचालन करने वाला मास्टरमाइंड विशाल उर्फ चंद्रमणि सिंह अपने घर में मौजूद है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 25 अगस्त को दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। विशाल पर धोखाधड़ी समेत आईपीसी और आईटी एक्ट की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की सक्रियता और आगे की जांच पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पूरे जिले में म्यूल अकाउंट धारकों की जांच की जा रही है। रामानुजगंज थाना प्रभारी ने बताया कि अन्य खाताधारकों और सहयोगियों की पहचान की जा रही है। अनुमान है कि आरोपी ने कई लोगों को झांसे में लेकर उनके खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए हैं।

साइबर अपराध में म्यूल अकाउंट वह खाता होता है, जिसे ठगी की रकम को जमा और आगे ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अपराधी सीधे अपने नाम से लेन-देन नहीं करते, बल्कि दूसरों के खातों का इस्तेमाल कर पुलिस की पकड़ से बचने की कोशिश करते हैं। इस प्रक्रिया में खाता धारक भी कानूनी रूप से अपराधी माना जाता है। रामानुजगंज पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में लालच में आकर अपने नाम से बैंक खाता दूसरों को उपलब्ध न कराएं। यदि ऐसा किया जाता है, तो खाता धारक खुद भी ठगी के अपराध में आरोपी बन सकता है। पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में इस रैकेट के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

पीएम मोदी की आगामी जापान यात्रा से और मजबूत होंगे भारत-जापान संबंधः सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी यात्रा और ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में छत्तीसगढ़ की सहभागिता पर कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत जल्द जापान आ रहे हैं। भारत और जापान की मित्रता ऐतिहासिक और गहरी है। उनके इस दौरे से यह संबंध और भी मजबूत होंगे और हमारे देश को अनेक लाभ प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा भारत और जापान के बीच तकनीकी, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग को और प्रगाढ़ बनाएगी। इससे दोनों देशों की जनता को लाभ होगा और साझा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

ओसाका में वर्ल्ड एक्सपो 2025 के संदर्भ में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कल हमने छत्तीसगढ़ को समर्पित सप्ताह का शुभारंभ किया है। यह वर्ल्ड एक्सपो भारत की संस्कृति को विश्व के सामने प्रस्तुत करने का एक बड़ा प्रयास है। छत्तीसगढ़ का सप्ताह न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए लाभकारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर और औद्योगिक प्रगति को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। इससे निवेश और सहयोग के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जापान यात्रा और ओसाका एक्सपो में छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी प्रदेश और देश दोनों के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगी।

प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यता

श्रीकंचनपथ

देश के 14वें प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी संप्रति अपना तीसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। इससे पहले वे चार बार गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2014 में उनके नेतृत्व में भाजपा ने रिकार्ड सीटें जीतकर केन्द्र में सरकार बनाई थी। तब से लेकर आज तक उनका व्यक्तिगत और पार्टी का ग्राफलगातार बढ़ता चला गया है। हालांकि, उनकी विश्वसनीयता को चुनौती देने के लिए 2016 में सूचना के अधिकार के तहत उनकी शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण मांगा गया। 9 मई 2016 को भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर प्रधानमंत्री की डिग्रियों को सार्वजनिक भी किया। चुनाव नामांकन के दस्तावेजों के अनुसार मोदी ने 1978 में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद 1983 में उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि ली। केंद्रीय सूचना आयोग ने दिल्ली विश्वविद्यालय को 1978 की परीक्षा के रिकार्ड आवेदक को उपलब्ध कराने के आदेश दिये थे। दिल्ली विश्वविद्यालय इसके खिलाफ हाईकोर्ट चला गया। 2017 में हाईकोर्ट ने सूचना आयोग के निर्देश पर रोक लगा दी। 2023 में हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक योग्यता व्यक्तिगत सूचना है, इसे आरटीआई के तहत उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। हालांकि, विश्वविद्यालय ने कहा था कि इस गोपनीय जानकारी को अदालत को उपलब्ध कराने में उसे कोई आपत्ति नहीं है।

25 अगस्त को हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि डीयू डिग्री रिलीज करने के लिए बाध्य नहीं है। इस मामले में हिन्दी के मशहूर व्यंग्यकार संपत सरल की बात याद आती है। सरल ने कहा था कि जब सैटेलाइट लांच हो गया है, अपनी कक्षा में स्थापित भी हो गया है और पृथ्वी के चक्कर भी लगा रहा है तो उसके डिजाइन पर बहस करने की जरूरत नहीं है। सही है। प्रधानमंत्री अपना काम अच्छे से कर रहे हैं। वे क्या और कितना पढ़े हैं, इसपर बहस की कोई आवश्यकता ही नहीं है। डिग्री विवाद केवल उनके चुनावी हलफनामे पर सवाल खड़ा करने के लिए किया गया प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री का पद कोई सरकारी नौकरी तो है नहीं जहां नियुक्ति के लिए एक न्यूनतम योग्यता की जरूरत होती है। जहां कागज का यही टुकड़ा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। जहां प्रमाणपत्र गलत होने पर नौकरी तो जा ही सकती है, जेल भी जाना पड़ सकता है। वैसे भी आरटीआई कोई बाल की खाल निकालने का साधन तो है नहीं। सबकुछ घर बैठे नहीं हो सकता। सबूत जुटाने के लिए थोड़ी मेहनत तो करनी पड़ती है। मोदी के मामले में इस बात का भी ध्यान रखना होता है कि वे भारत के प्रधानमंत्री हैं। बहुत जरूरी होने पर ही उनकी निजी जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है। बहरहाल, अच्छी बात यह है कि इस विवाद के निपटारे का लाभ स्मृति इरानी को भी मिल गया। सूचना आयोग ने उनकी 10वीं और 12वीं की अंकसूचियां आवेदक को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये थे।

संपादकीय

विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित

मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को पद से हटाने का प्रावधान करने के लिए लाए गए विधेयकों पर विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित है। विपक्ष के सारे नेताओं की एक ही चिंता है कि केंद्रीय एजेंसियां खास कर सीबीआई और ईडी विपक्षी पार्टी की सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं। उनका कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां मुकदमा करेंगी और मंत्री या मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेंगी। धन शोधन के कानून में जमानत के प्रावधान बहुत सख्त हैं इसलिए उनको 30 दिन तक जमानत नहीं मिलेगी और इस नाम पर उनको हटा दिया जाएगा।

आशंका यही पर खत्म नहीं होती है। यह भी कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तारी का डर दिखा कर उसको किसी काम के लिए मजबूर किया जा सकेगा। इतना ही नहीं यह आशंका भी जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और फिर उसकी पार्टी तोड़ कर सरकार गिरा दी जाएगी। ऐसा लग रहा है कि सरकार ने बिल बनाते समय इसके जितने मकसद नहीं सोचे होंगे उतने मकसद विपक्ष ने समझा दिए हैं। अभी तक मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्री को पद से हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं था। विधायक और सांसद को हटाने का प्रावधान भी लिली थॉमस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश के बना। इसमें तय किया गया कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे ज्यादा की सजा हो जाती है तो वह विधायिका का सदस्य नहीं रह पाएगा और सजा की तारीख से उसके चुनाव लड़ने पर रोक लग जाएगी। आमतौर पर निचली अदालत से सजा होते ही विधायकों, सांसदों की सदस्यता समाप्त कर दी जाती है, जैसा कि राहुल गांधी के मामले में हुआ था।

बाद में अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक लगा दे तो सदस्यता बहाल हो जाती है। बहरहाल, अगर कोई व्यक्ति विधायक या सांसद होने के अयोग्य हो जाएगा तो वह स्वत: मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने के भी अयोग्य हो जाएगा। इस नियम से इतर अब सरकार संविधान संशोधन करके कानून बना रही है कि अगर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को किसी गंभीर अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और 30 दिन तक जमानत नहीं होती है तो 31वें दिन उसको पद से हटा दिया जाएगा। अब सवाल है कि इसकी जरुरत क्यों पड़ी? इसकी जरुरत पड़ी अरविंद केजरीवाल की वजह से। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े केस में गिरफ्तार हुए और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। वे 156 दिन तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में रहे और मुख्यमंत्री बने रहे। उससे पहले उन्होंने हवाला मामले में गिरफ्तार अपनी सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को भी काफी समय तक मंत्री पद से नहीं हटाया था। ऐसे ही तमिलनाडु में एमके स्टालिन सरकार के मंत्री सेंथिल बालाजी गिरफ्तार होकर जेल चले गए लेकिन मंत्री बने रहे।

इससे पहले आमतौर पर मंत्री या मुख्यमंत्री गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा दे देते थे। पिछले ही साल जनवरी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने गिरफ्तारी से ठीक पहले इस्तीफा देकर चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवा दिया। लेकिन उसके दो महीने बाद मार्च में गिरफ्तार हुए अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा नहीं दिया। सो, अब तक जो काम नैतिकता और लोकलाज के आधार पर होते थे वह काम सुनिश्चित करने के लिए सरकार कानून ला रही है। अब आएं विपक्ष की चिंता और आशंका पर तो उसकी एक आशंका का जवाब हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के मामले से मिल जाता है। हेमंत सोरेन ने इस्तीफा दिया और जेल गए तो अगले चुनाव में उनकी पार्टी ज्यादा बड़े बहुमत से सरकार में लौटी। दूसरी ओर केजरीवाल जेल गए और इस्तीफा नहीं दिया तो अगले चुनाव में वे खुद भी हारे और उनकी पार्टी भी हार कर सत्ता से बाहर हुई। दोनों की पार्टियों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई कहा था लेकिन झारखंड की जनता ने हेमंत की बात पर यकीन किया और दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल पर यकीन नहीं किया।

यह मामला कहीं न कहीं नैतिकता, परंपरा और लोकलाज से जुड़ा हुआ है। अतीत में भी देखें तो नेता नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देते थे और उनको राजनीतिक नुकसान नहीं होता था। लालू प्रसाद ने गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देकर अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। लालू प्रसाद के जेल जाने से न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी, बल्कि अगले चुनाव में फिर उनकी पार्टी जीत कर सत्ता में आई। ऐसे ही तमिलनाडु में जयललिता मुख्यमंत्री रहते दो बार गिरफ्तार हुईं। एक बार उन्होंने ओ पनीरसेल्वम को मुख्यमंत्री बनाया और दूसरी बार ई पलानीसामी को मुख्यमंत्री बनाया। दोनों बार न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी। इसके उलट पार्टियों के टूटने या सरकार गिरने की पिछले 10 साल की घटनाएं देखें तो अलग तस्वीर सामने आती है। कमलनाथ जैसा व्यक्ति मुख्यमंत्री पद पर बैठा रहा और कांग्रेस पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस के समर्थन से सरकार चला रहे एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री पद पर बैठे रहे और कांग्रेस टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से सरकार चला रहे उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहे और उनकी पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री गिरफ्तार होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी टूट जाएगी या सरकार गिर जाएगी और गिरफ्तार नहीं होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी नहीं टूटेगी, ऐसा मानना मूर्खतापूर्ण विचार है।

भारत में आजादी सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा

ह्यह्यअजीत द्विवेदी

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है।

असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है।

मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी! लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी।

इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि '25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगी'। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आए एक दूसरे कथित सम्मानित संत प्रेमानंद जी महाराज आए तो उन्होंने अपना निष्कर्ष सुनाया कि, 'आजकल सौ में मुश्किल से चार पांच लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सब ब्वॉयफ्रेंड गर्लफ्रेंड में लगे रहते हैं'। इनके समर्थन में उतरे महंत राजू दास ने महिलाओं को लेकर कहा, 'समाज में अर्धनग्न घूम रहे हैं यह उचित नहीं है।

मातृशक्ति पूजा के योग्य है लेकिन अर्धनग्नता नहीं, यह समाज में स्वीकार के योग्य नहीं है'। ये तीन बयान सिर्फ विवादित बयान नहीं हैं। इनकी भाषा तो बेहद भद्दी, अश्लील और आलोचना के योग्य है ही लेकिन इसके पीछे का पूरा विचार आजादी को प्रतिबंधित करने वाला है। दुर्भाग्य से यह काम कोई सरकार नहीं कर रही है, बल्कि सत्ता संरक्षित कथित संत इस तरह की बातें कर रहे हैं और नागरिक समाज उसका समर्थन और बचाव कर रहा है।

अब सवाल है कि अगर 78 साल में हमारी आजादी मजबूत हुई है, हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, तकनीक ने हमें अपने को अभिव्यक्त करने की बेहतर सुविधा दी है तो हम उसका क्या कर रहे हैं? हम इस प्रचार का हिस्सा बन रहे हैं कि लड़कियों को 25 साल की उम्र तक माता पिता की पसंद से शादी कर लेनी चाहिए नहीं तो उसको 'चार जगह मुंह मारने वाला' कहा जाएगा, उसको चरित्रहीन ठहराय जाएगा और रिश्ते निभाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठाया जाएगा! यह एक बहुत बड़ा विषय है, जिसकी गहराई में जाएं तो बहुत पन्ने काले करने होंगे लेकिन मुख्य रूप से यह स्त्रियों की पढ़ने लिखने, नौकरी करने, अपनी योग्यता साबित करने और उम्र के किसी भी पड़ाव पर अपनी पसंद से शादी करने या अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने की आजादी को सीमित करने का प्रयास है।

पता नहीं क्यों भारत का समाज स्त्रियों से इतना घबराया हुआ है कि ये कथित साधु संत आगे किए गए हैं आजादख्याल स्त्रियों को चरित्रहीन साबित करने और उनकी आजादी को नियंत्रित करने के लिए? ऐसा लग रहा है कि आजादी के 78 साल बाद भारत के सत्ता तंत्र को समझ में आ गया है कि जोर जबरदस्ती से आजादी को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है तो उसने धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि के नाम पर खान पान, पहनावे और स्त्री पुरुष संबंधों को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया है। नागरिक समाज खुशी खुशी इसमें शामिल हो रहा है। उसको लग रहा है कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है इसलिए उसको अपनी आजादी और अपनी पसंद का समर्पण कर देना चाहिए। असल में यह मानसिक गुलामी का प्रतीक है। यह ध्यान रखें अगर किसी समाज में नागरिकों के खान पान, पहनावे और निजी व सामाजिक संबंधों को किसी भी स्तर पर नियंत्रित कर लिया गया तो उससे उसकी राजनीतिक आजादी छीनना बहुत आसान हो जाएगा।

आम जीवन सरल बनाने में मदद कीजिए

अशोक मधुप

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले।

सरकारों का काम आदमी के जीवन को सरल बनाना है। तकनीक के माध्यम से उसे ऐसी सुविधाएं देना है कि वह परेशान न हो, किंतु भारत में हो इसके विपरीत रहा है। उन्हें अलग-अलग काम के लिए थोड़ी- थोड़ी बात के लिए परेशान किया जा रहा है। उनके जीवन को दुरूह किया जा रहा है।

आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की। बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है। हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नहीं मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नहीं आता।

मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नहीं रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नहीं कर पाता। भुगतान रोकने के कारण चैक जारी करने वाले पर संबधित बैक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रूपये तक का जुर्माना लगा देती है। मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चैक दिया। चैक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है। चैक का भुगतान कैसे रूका पता नहीं। उनके एक स्टाफ ने देखकर बताया कि खाता बंद किया हुआ है। बैंक प्रबंधक ने कहा कि अब सब कंप्यूटराइज है। हमें पता नहीं चलता और खुद जाता है। बैंक स्टाफ के पता है या नहीं। इससे खाताधारक को क्या लेना। मेरे से तो इंश्योरेंस कंपनी ने चैक डिस ओनर होने के छह सौ रूपये अतिरिक्त वसूल लिए। मुझे तो फालतू का छह सौ रूपये का दंड़ पड़ गया।

अभी लाकर आपरेट करने बैंक जाना पड़ा तो बैंक स्टाफ ने कहा कि इसकी केवाईसी कराइये। हमने कहा कि अभी खाते की तो कराई है। उनका कहना था कि बैंक लॉकर की भी करानी है। लॉकर बैंक के खाते से जुड़ा है, यह बताने पर भी बैंक कर्मी नहीं माने। यदि आपके पास चार-पांच बैंक खाते हैं तो प्रत्येक दो साल से केवाईसी कराने जरूर जाना होगा।

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसेंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या-क्या कराएं। हम पर ये सब करना नहीं आता। इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नहीं किया जा रहा।

अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है। मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सेंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है। हम 75 साल से ऊपर के पति-पत्नी कैसे उस लाइन में लगें, ये कोई सोचने और बताने वाला नहीं है। दूसरे केंद्र का दरवाजा खुलने पर इस तरह धक्का-मुक्की होती है कि हम लाइन में लगे तो हाथ-पांव तुड़ाकर जरूर अस्पताल जांएगे।

केंद्र सरकार / रिजर्व बैंक को आदेश करना चाहिए कि बैंक अपने यहां अतिरिक्त स्टाफ रखे। उसके कार्य सिर्फ खाते धारकों से समय लेकर उनके खातों की केवाईसे कराना हो। सरकार जिस तरह वोट बनवाती है। वोटर का वेरिफिक्केशन कराती है। उसी तरह से केवाईसी कराई जाए। इसके बैंक खाता धारकों को सुविधा होगी। केवाईसी कराने के लिए रखे जाने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा। यही काम राज्य की बिजली कंपनी कर सकती हैं। विभागीय मीटर रीडर माह में एक बार रीडिंग लेने उपभोक्ता के घर जाते हैं। वे ही उपभोक्ता से केवाईसी के पेपर लेले। मीटर रीडर को उपभोक्ता जानते हैं उन्हें पेपर देते किसी उपभोक्ता को परेशानी भी नहीं होगी। मीटर रीडर आफिस आकर इस कार्य में लगे स्टाफ को पेपर देकर केवाईसी कराए। हो यह रहा है कि संबधित विभाग बैंक/ बिजली अपना कार्य उपभोक्ता पर डाल उसके जीवन को कठिन बना रहे हैं, जबकि उन्हे अपने ग्राहकों को सुविधाएं देनी चाहिए थीं। ऐसा ही आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए। हां इसके लिए उपभोक्ता से थोड़ा बहुत चार्ज लिया जा सकता है। अभी एक मैसेज आया कि आपका इन्कमटैक्स का रिटर्न स्वीकार कर लिया गया है। मैंने अभी रिटर्न भरा नहीं, सो ये मैसेज बेटे को भेज दिया कि शायद उसने रिटर्न भरा हो। उसका जबाब आया कि पापा इस मैसेज के लिंक पर क्लिक मत करना। ये गलत लगता है।

आज सबसे बड़ी समस्या है कि सही और गलत का कैसे तय हो। किसी न किसी तरह धोखे में लेकर रोज हजारों व्यक्ति रोज ठगे जा रहे हैं। इससे कैसे बचा जाए? ऐसे हालात में जीवन दुरूह होता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों को आम आदमी का जीवन को सरल बनाने के लिए काम करना चाहिए।

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

ललित गर्ग

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है।

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-'शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।'

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा-अहिंसा परमो धर्म:। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा-'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था-दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है।

आज, जब रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने-सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की 'अयुद्ध नीति' है-जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफकहा कि उसका दृष्टिकोण 'तटस्थ' ही नहीं, बल्कि 'शांति-उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम

दुर्ग। उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक, दुर्ग में आज 25 अगस्त को नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए विवेकानंद यूथ सर्कल के माध्यम से 'अखण्ड भारत' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय चिंतन की भावना को जागृत करना था। आयोजकों ने इस बात पर जोर दिया किया एक व्यक्ति में श्रेष्ठ गुणों का निर्माण करने से ही एक श्रेष्ठ राष्ट्र निर्मित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी विश्वनाथ बोगी ने इस विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसे छात्र/छात्राओं द्वारा सराहा गया। संस्था के प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय ने अपने स्वागत भाषण में इस कार्यक्रम को आयोजित करने के उद्देश्य की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज की इस कार्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी में राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना प्रेरित होगी। विवेकानंद यूथ सर्कल के छत्तीसगढ़ प्रांत के सह समन्वयक विक्रांत मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा युवाओं का राष्ट्रभक्ति जागृत करने के लिए उत्साह वर्धन किया। उक्त कार्यक्रम के आयोजन में एन.एस.एस. के स्वयंसेवक छात्रों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में प्रथम सेमेस्टर के लगभग 100 विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बीएसपी के नगर सेवाएँ विभाग की अपील -जिम्मेदारी से करें कचरे का निस्तारण

भिलाई। बीएसपी के नगर सेवाएँ विभाग ने इस्पात नगर के नागरिकों से अपील की है कि वे कचरे का निस्तारण जिम्मेदारी पूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से करें। विभाग ने विशेष रूप से सभी नागरिकों, दुकानदारों, होटल एवं भोजनालय संचालकों तथा फूड स्टॉल संचालकों से स्वच्छता एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण बनाए रखने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है। नगर सेवाएँ विभाग ने अपनी अपील में स्पष्ट किया है कि सभी लोग अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में रखें, जैसे, सूखा कचरा, भोजन एवं रसोई का कचरा तथा प्लास्टिक कचरा आदि, और इन्हें निर्धारित समय पर कचरा एकत्र करने आने वाले सफाई कर्मियों को ही सौंपें। विभाग ने चेतावनी भी जारी की है कि अवैध स्थानों पर कचरा फेंकने से न केवल गंदगी और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं तथा संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा बढ़ता है, बल्कि इससे वर्षा जल निकासी नालियों एवं सीवरेज व्यवस्था के अवरुद्ध होने की भी समस्या सामने आती है। नगर सेवाएँ विभाग ने पुन: अनुरोध किया है कि भिलाई को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है, किंतु इस अभियान की सफलता प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग पर निर्भर करती है।

घर-घर विराजेंगे गणपति बप्पा, समितियों द्वारा गणेशोत्सव की तैयारी अंतिम चरण पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। समृद्धि के देव गणेश चतुर्थी को अब मात्र एक दिन शेष रह गया है। बुधवार 27 अगस्त को भगवान गणेश जी की पूरे विधि-विधान के साथ लोगों द्वारा स्थापना की जाएगी। फलस्वरुप घरों में गणेशजी की मूर्ति स्थापना के लिए मूर्ति व अन्य पूजा सामग्री लेने लोगों की बाजारों में भीड़ बढ़ गई है।

दुर्ग शहर में सिविल लाईन गौरवपथ स्थित महिला समृद्धि बाजार के आसपास और जीई रोड पर हिन्दी भवन के सामने मूर्ति बिक्री के लिए विक्रेताओं द्वारा बड़े-बड़े पंडाल लगाए गए है।

मूर्ति विक्रय केन्द्र इन पंडालों में गणपति बप्पा की नक्काशीदार सुसज्जित, आकर्षक छोटी व बड़ी मूर्तियां लोगों को खासा आकर्षित कर रही है। जिसके चलते यहां गणेशजी मूर्ति लेने लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जुट रही है। इन पंडालों की मूर्तियों की खास बात है कि गणेशजी की सभी मूर्तियां महाराष्ट्र पैटर्न पर बने हुए है। जो मूर्तियां डोंगरगढ़ के आसपास के क्षेत्रों से तैयार होकर विक्रय के लिए दुर्ग पहुंची है। यहां 500 से लेकर 5000 तक की मूर्तियां उपलब्ध है। मूर्ति विक्रेता श्री गुप्ता ने बताया कि गणेश चतुर्थी को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। लोग घरों में मूर्ति स्थापना के लिए मूर्ति लेने पिछले हफ्तेभर से सिविल लाईन गौरवपथ पहुंच रहे है। पंडालों में नक्काशीदार गणेशजी की मूर्तियों की विशेष डिमांड है। इसके अलावा शहर के सार्वजनिक बड़ी गणेशोत्सव समितियों द्वारा भव्य उत्सव की तैयारियां अंतिम चरण पर है। अधिकांश बड़ी समितियों द्वारा प्राय: कलागांव थनौद से मूर्ति लाकर पंडालों में स्थापना की जाती है। मठपारा और बोरसी क्षेत्र भी गणेश प्रतिमा निर्माण के लिए विशेष पहचान बनाए हुए है।

गणेशोत्सव समितियों द्वारा प्रतिमा लाने का क्रम शुरु हो गया है। जिससे शहर में गणेशोत्सव का माहौल बन गया है। दुर्ग शहर में गणेशोत्सव के भव्य आयोजन के लिए गंजपारा पुलगांव नाका, पुरानी गंजमंडी गंजपारा, चांदनी चौक गंजपारा, पुराना बस स्टैण्ड, आदर्शनगर चौक का पंडाल अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है, लेकिन इस बार पद्मनाभपुर मिनी स्टेडियम और सुराना कॉलेज के सामने भी गणेशोत्सव की भव्य तैयारियां की जा रही है।

पद्मनाभपुर मिनी स्टेडियम में दक्षिण कौशल गणेशोत्सव समिति द्वारा भव्य गणेश प्रतिमा की स्थापना की जाएगी और झाकियां आकर्षण का केन्द्र होगी। इसके अलावा पूरे 10 दिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन समिति द्वारा किया गया है। वहीं सुराना कॉलेज के सामने युवाओं की टीम द्वारा गणेशोत्सव की तैयारी अंतिम चरण पर है। यहां भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शिखर साहित्य मंच जामुल के तत्वावधान में हुआ काव्य गोष्ठी का आयोजन

हिंदी व छत्तीसगढ़ी रचनाओं ने दिल जीता साहित्य रसिकों का

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिखर साहित्य मंच जामुल के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन रविवार को वार्ड क्रमांक -1 मठ पारा जामुल में किया गया। मुख्य अतिथि ईश्वर सिंह ठाकुर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद थे। अध्यक्षता नरेन्द्र सिक्केवाल पुलिस अधीक्षक सी आई डी ने की और विशिष्ट अतिथि गोविन्द पाल अध्यक्ष मुक्त कंठ साहित्य समिति भिलाई तथा करीम खान महामंत्री जिला ग्रामीण कांग्रेस थे।

अतिथियों ने मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी की चरणों में श्रद्धा के दीप प्रज्वलित कर कवि गोष्ठी का शुभारंभ किया। भिलाई की कवयित्री नीलम जायसवाल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के संयोजक जामुल के वरिष्ठ कवि इस्माइल आजाद एवं कवयित्री प्रिया गुप्ता ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वागत समारोह का संचालन राजेन्द्र देवांगन ने किया। शिखर साहित्य मंच ने सभी अतिथियों को शाल श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। जामुल के प्रसिद्ध पंडवानी गायक गौतम साहू का मुख्य अतिथि ने सम्मान किया। भिलाई-3 के कवि गजेन्द्र द्विवेदी के संचालन में शुरू हुई कवि गोष्ठी में सोहागपुर कवर्धा से धर्मेन्द्र डहरवाल,छुईखदान से धर्मेंद्र जंघेल,पिरदा भिंभौरी से दिलीप टिकरिहा,सुरडुंग से डामन लाल वर्मा,अंजोरा दुर्ग से अनिल राय भारत, रायपुर से इरफान उद्दीन इरफान, दुर्ग से शायर इज़राइल बेग शाद, दुर्ग से शायरा नुरुस्ससबा, आलोक नारंग, टेडेसरा से राजकुमार रौना, भिलाई से कवयित्री नीलम जायसवाल, शीशलता शालू, रियाज खान गौहर, जाविद हसन, संतोष जाटव, बैकुंठ महानंद और जितेन्द्र वर्मा वैद्य ने हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी गीत, कविता व ग़ज़ल से उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया।

कवि गोष्ठी को सफल बनाने में जामुल के वरिष्ठ कवि इस्माइल आजाद, कवयित्री श्रीमती प्रिया गुप्ता, गौतम सिंह ठाकुर, कवि सोनू बर्मन, दीपक निषाद, गिरधर निषाद,लक्ष्मण साहू, हेमंत निषाद, साजिद अली,साहिल अली,नगमा बेगम, इंद्राणी सेन, मंदाकिनी साहू,अनिता मानिकपुरी और सुनील का भरपूर सहयोग रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में साहित्य रसिक मौजूद थे।

'नराकास, भिलाई-दुर्ग' की छमाही बैठक एवं वार्षिक पुरस्कार समारोह 28 को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' की 61वीं छमाही बैठक एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन दिनांक 28 अगस्त 2025 को नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल, के मुख्य आतिथ्य में सिविक सेन्टर स्थित 'भिलाई निवास' के 'बहुउद्देशीय सभागार' में किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता, भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग चित्त रंजन महापात्र करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति' की बैठक में सभी सदस्य संस्थानों के संस्थान प्रमुखगण की उपस्थिति अनिवार्य होती है। उल्लेखनीय है कि, भिलाई-दुर्ग में स्थित केन्द्र शासन के कार्यालयों, प्रतिष्ठानों व उपक्रमों को एक सुव्यवस्थित समन्वय प्रदान करने 26 नवंबर 1986 को गठित 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' की छमाही बैठक का आयोजन प्रतिवर्ष जनवरी एवं अगस्त माह में किया जाता है। समिति में सदस्य संस्थानों के रूप में दुर्ग-भिलाई में स्थित केन्द्र सरकार के सभी उपक्रम, प्रतिष्ठान, विभाग, बैंक एवं बीमा कंपनियाँ सम्मिलित हैं। महाप्रबंधक भिलाई इस्पात संयंत्र व सचिव, 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' राजीव कुमार ने जानकारी दी है।

तीज मिलन में हुई विविध प्रतियोगिताएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर 4 के वार्ड 57 एवं 58 की महिलाओं ने तीज मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं ने खेलकूद, हाऊजी, प्रश्नोत्तरी , नृत्य , भजन एवं श्रृंगार प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। समारोह में तीज क्वीन का ताज विजेता सिंह को प्राप्त हुआ । नीतू चौहान की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन में मुख्य रूप से हर्षिता बोस, आंचल दिवाकर, रोशनी गोस्वामी, संध्या पाठक, मनीषा शर्मा, मीरा त्रिपाठी, बसंती, मंजुल राठौर, रेवती, भारती, गुड़िया, मधु, माधुरी शिवानी और शिखा आदि ने भाग लिया ।

मेगा हेल्थ कैम्प में उपचार के साथ दी शासकीय योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वास्थ्य विभाग ओर महिला बाल विकास विभाग परियोजना भिलाई 3 के संयुक्त तत्वावधान में राज्य गठन की रजत जयंती वर्ष पर मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अस्पताल वार्ड की पार्षद श्रीमती प्रेमलता चंद्राकार थी।

शिविर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया, परियोजना अधिकारी नीलम राय चौधरी व बीईईटीओ सैय्यद असलम की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। शिविर में 145 महिलाओं और किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 4 महिलाओं का 7 से 9 ग्राम हिमोग्लोबिन मिला उन्हें उपचार कर दवा दी गई

है। 42 बालिकाओं को स्वच्छता संबंधित जानकारी माहवारी हेतु सेनेटरी पैड वितरण किया गया। ऐसी महिलाएं जिनकी उम्र 30 से अधिक है, में उच्च रक्तचाप की शिकायत वाली 17 का चिन्हांकन कर उपचार किया गया है। बी ई ईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि शासन के स्पष्ट निर्देश है रजत जयंती वर्ष पर राज्य की कल्याणकारी योजनाएं के संबंध में सभी विभाग जनता को उन योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर उसका लाभ जनता तक सीधे पहुंचे। शिविर व महिला जागृति शिविर में महिलाओं का स्तन कैंसर स्क्रीनिंग करके कैंसर रोग के प्रति जागरूक किया गया। वहीं रक्ताल्पता खून की कमी वाले हीमोग्लोबिन कम वाली महिलाओं को आयरन व फोलिक एसिड व कैल्शियम टेबलेट दी गई। किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन देकर माहवारी शुरू होने के समय स्वच्छता,पैड का उपयोग व निष्पादन और सिकल सेल की जांच कर विभाग की विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की आरएमए प्रज्ञा कुशवाहा,एलएचव्ही आर विश्वास, महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षिका आभा साहू, इंदु कौसले, उषा मिश्रा, यशवंत साहू, वेगु गवेल, जितेन्द्र पटेल,नीना चक्रवर्ती निवेश प्रधान और कुमेश साहू सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित थे।

दक्ष वैद्य के नेतृत्व में भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष राहुल योगराज का भव्य ऐतिहासिक स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा युवा नेता एवं हिन्द सेना समाजसेवी संगठन युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य के नेतृत्व में नवनियुक्त भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष राहुल योगराज टिकरीहा का भव्य ऐतिहासिक स्वागत किया गया। प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने सड़क मार्ग से रायपुर के लिए निकले राहुल योगराज का धरसींवा के चरोदा से लेकर रायपुर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय तक जगह जगह स्वागत किया गया।

भाजपा युवानेता दक्ष वैद्य भी सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ बाईक रैली निकालकर नवनियुक्त भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष राहुल योगराज का स्वागत करने पहुंचे। दक्ष वैद्य धरसींवा, बंजारी धाम, भनपुरी चौक, खमतराई बाजार चौक, फाफाडीह चौक,जय स्तंभ चौक, अंबेडकर चौक, भगत सिंह चौक,तेलीबांधा चौक, मेक इन इंडिया चौक,वीआईपी चौक, फुंडहर चौक, अटल चौक और प्रदेश भाजपा कार्यालय तक प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष राहुल योगराज की रैली में शामिल रहे। दक्ष वैद्य अपनी गाड़ी में फूलों का जखीरा लेकर चल रहे थे। दक्ष वैद्य और उनके साथी सैकड़ों कार्यकर्ता पूरे रास्ते भर राहुल योगराज पर लगातार पुष्प वर्षा करते रहे।

दक्ष वैद्य ने पुष्प गुच्छ भेंटकर प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष राहुल योगराज का आत्मीय अभिनंदन किया। दक्ष वैद्य द्वारा किए गए इस ऐतिहासिक स्वागत से राहुल योगराज अभिभूत हो उठे और उन्होंने गले लगाया। दक्ष वैद्य ने कहा है कि प्रदेशाध्यक्ष राहुल योगराज के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में भाजपा एवं भाजयुमो और ज्यादा मजबूत होगी, युवाओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। हम सभी साथी मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं नव नियुक्त प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरीहा के सपनों के अनुरूप विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में पूरी ताकत लगाकर योगदान देंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा ब्रिगेड प्रदेश संगठन मंत्री स्वराज मुदलियार, प्रदेश प्रवक्ता एवं कार्यकारी जिलाध्यक्ष शिवम शुक्ला, युवा ब्रिगेड महिला सेल विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष सानिया खोखर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभय पाठक, महासचिव ऋषभ पांडे,छात्र ब्रिगेड कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा, उत्कर्ष शुक्ला, आदित्य देशलहरे, स्वतंत्र पटेल, हर्ष वर्मा, आशीष गायकवाड, उपाध्यक्ष आदित्य देशलहरे, छात्र ब्रिगेड महामंत्री निखिल श्रीवास, रामेश्वर देवांगन, छात्र ब्रिगेड उपाध्यक्ष विकास बघेल, लोकेश बघेल, हेमचंद साहू, संदीप सोना, लव साहू, प्रवीण साहू, वीर धीवर, रोहित ठाकुर, आयुष सिंह, प्रिंस सिंह, ईशान मालिक, श्रीनिवास राव, अमोल दिवाकर, अमिताभ बनर्जी, टिंकू सिंह, प्रेम सिंह, अमित टंडन, रमेश खूंटे, सुनिल साहू, नरेश निर्मलकर, आशीष झा, पंकज त्रिपाठी, सुमित झा, अमित देवांगन, सुरेश सेन, बसंत प्रधान, हिमांशु अग्रवाल, दीपक सिंह, संजय पासवान, योगेश्वर त्यागी, गुरप्रीत सिंग, सुनिल सिंह, मिलिंद धनी, बाबू जफर, सुरेश पाटले, वैभव त्रिवेदी, श्रीनु राव, महेंद्र तांडी, करन सोनवानी, मनोज तिवारी, विनोद भारती, पदुम घृतलहरे, दिपक कशयप, भूपेंद्र मानिकपुरी, रजनी भारती, भानुप्रताप घृतलहरे, अमित साहू, दिवाकर सेन, राजेश चौहान, आशीष निर्मलकर, राहुल वर्मा, नेमीचंद साहू, रवि सेन, कुशल साहू, पप्पू साहू नितिन पटेल, अभय टंडन, रमेश विश्वकर्मा, रवि साहू, गोपाल यादव, नितिन वर्मा, संतोष साहू, राहुल देव, प्रमोद मंडावी, दीपक बघेल, टिंकू ठाकुर, वीरेंद्र प्रसाद, देवेंद्र गजभिए, सोमेश महेश्वरी, देव पांडे, अविनाश वर्मा,परमानंद महेश्वरी, आशीष विश्वकर्मा, अनिल मंडारिया, दीपेश देशमुख, राजेश माने,चंद्रशेखर प्रसाद समेत हिन्द सेना के पदाधिकारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

स्वदेशी उद्यमिता संवर्धन कार्यक्रम से छात्राओं ने जाना खादी की महत्ता

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय में स्वदेशी उद्यमिता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत् महाविद्यालयीन छात्राओं को खादी वस्त्र बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य खादी कपड़ा उत्पादन में कौशल और ज्ञान के साथ छात्राओं को सशक्त बनाना है। डॉ. कुलदीप वर्मा डायरेक्टर स्टेट खादी बोर्ड मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। पॉवर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से डॉ. वर्मा ने खादी उद्यमिता के लिये शासन की नितियों की जानकारी दी तथा मीठी क्रांति जिसे मधुमक्खी पालन कहते है, रेड टिका सिलाई मशीन पेपर कप और दोना आदि ग्रामोद्योग योजनाओ के बारे में जानकारी दी।

विशेष रूप से तकनीकी एक्सपर्ट दया राम डडसेना ने छात्राओं को चरखा चलाकर रुई से सूत कातने से लेकर कपड़े की थान बनाने की प्रक्रिया तथा नए पुराने उपकरणों की जानकारी दी। स्वदेशी उद्यमिता संवर्धन कार्यक्रम द्वारा छात्राओं को कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाने के प्रयासों का एक हिस्सा है जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और देश के आर्थिक विकास में योगदान दे सकें। यह कार्यक्रम खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने और ग्रामीण रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर पैदा करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अजय तिवारी ने छात्राओं को सफल जीवन हेतु कौशल विकास के महत्व को समझाया। प्राचार्य डॉ. संध्या गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. रात्री लहरी ने कार्यक्रम संचालन किया।

समय रहते नहीं चेते, तो भविष्य में जल संकट होगा : उमाशंकर पांडेय

रायपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय में 'आर्द्रभूमि बचाओ अभियान' के तहत दो दिवसीय गोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने किया। कलिंगा विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एन्वायरमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीईईडी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जल संरक्षण और वेटलैंड संरक्षण पर गहन चर्चा हुई।

पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने प्राचीन भारतीय संस्कृति में जल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्राचीन जलाशय आज भी कार्यरत हैं। उन्होंने भोजन और पानी की बर्बादी पर चिंता जताते हुए माइक्रोचिप जैसे औद्योगिक कार्यों में जल की भारी खपत का उल्लेख किया। उन्होंने वर्षा जल संचयन और जल के प्रबंधित उपयोग पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि यदि समय रहते नहीं चेते, तो भविष्य में जल संकट गहरा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर श्रीधर ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए हमें यक्ष प्रश्नों के उत्तर की तरह सक्रियता से जल संरक्षण की दिशा में कदम उठाने होंगे। आईएफएस अरुण कुमार पांडेय ने जल को परमेश्वर बताते हुए कहा कि वृक्ष और नदियां परोपकार की भावना सिखाती हैं। उन्होंने धर्म शास्त्रों का हवाला देते हुए एक वृक्ष को दस पुत्रों से अधिक महत्वपूर्ण बताया। रायपुर के पर्यावरणविद प्रभात मिश्रा ने रायपुर की नदियों और तालाबों के संरक्षण पर बल दिया। डॉ. अशोक कुमार चतुर्वेदी हरबंस ने जल के लिए विश्वविद्यालय और पाठशालाएं स्थापित करने की आवश्यकता जताई। सीईईडी के स्टेट हेड तुषार शर्मा ने सभी का स्वागत किया।

30 अगस्त को रायपुर में भाजपा की रणनीतिक बैठक: सह-संगठन मंत्री और छत्तीसगढ़ प्रभारी शिव प्रकाश लेंगे नई टीम की क्लास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा में नई संगठनात्मक टीम के गठन के बाद अब पार्टी की रणनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में 30 अगस्त को राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री और छत्तीसगढ़ प्रभारी शिव प्रकाश रायपुर में पार्टी के नए और पूर्व पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों की बैठक लेंगे। इस बैठक को विशेष इसलिए माना जा रहा है क्योंकि पहली बार इसमें सभी पूर्व जिला अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया गया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, पूर्व पदाधिकारियों को संगठन में समायोजित कर उन्हें नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी।

30 अगस्त को भाजपा द्वारा प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया है, जिसमें शिव प्रकाश समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न विषयों पर संगठनात्मक प्रशिक्षण देंगे। यह प्रशिक्षण नई टीम के साथ-साथ पुराने सदस्यों को भी दिया जाएगा। सूत्रों की मानें तो पार्टी चाहती है कि पुरानी और नई दोनों टीमें समन्वय के साथ संगठनात्मक कार्य करें। इसमें नीति, कार्यशैली और आचार संहिता को लेकर भी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के चलते संभावना जताई जा रही है कि बैठक में संगठन के पदाधिकारियों को संयमित आचरण और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार की सलाह दी जा सकती है। गौरतलब है कि पहले मैनपाट में हुए चिंतन शिविर में मंत्रियों को भ्रष्टाचार और ठेकेदारी संस्कृति से दूर रहने की चेतावनी दी जा चुकी है। मंत्रिमंडल विस्तार में भी किसी मंत्री को हटाए बिना तीन नए चेहरों को शामिल किया गया, जिससे पार्टी का संदेश स्पष्ट है ङ्क गलतियों को सुधारने का समय है।

शिव प्रकाश 30 अगस्त की बड़ी बैठक के अगले दिन, 31 अगस्त को केवल प्रदेश पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। इसमें आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा और आने वाले चुनावों की जिम्मेदारियों को लेकर विशेष निर्देश दिए जा सकते हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि शिव प्रकाश अतिरिक्त जिम्मेदारियों और राजनीतिक संतुलन पर बल दे सकते हैं, क्योंकि आगामी विधानसभा चुनावों की कमान इसी टीम के कंधों पर रहेगी।

कोटा क्रॉसिंग बंद होने से पहले आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग सुनिश्चित करें- मूणत

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पश्चिम क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) से भेंट कर कोटा रेलवे क्रॉसिंग को बंद किए जाने से पहले आमजन, तथा विद्यार्थियों के सुगम आवागमन के लिए समुचित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। मूणत ने कहा कि इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 10 से 15 हजार लोग आना-जाना करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि क्रॉसिंग के स्थान पर तकनीकी रूप से उपयुक्त अंडर ब्रिज या ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव किया कि रेलवे के तकनीकी अधिकारी रामनगर में बने अंडर ब्रिज का निरीक्षण कर सकते हैं, जहाँ सीमित स्थान में भी प्रभावी ढंग से अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य किया गया है।

मंडल रेल प्रबंधक ने श्री मूणत को जानकारी दी कि शनिवार को उनका पत्र प्राप्त होते ही उन्होंने स्वयं स्थल का निरीक्षण किया और क्रॉसिंग बंद होने की स्थिति में संभावित वैकल्पिक

व्यवस्थाओं का आकलन किया गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रेलवे प्रशासन इस बात के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है कि कोई भी नई व्यवस्था जनता के लिए असुविधाजनक न हो।

चर्चा के दौरान विधायक श्री मूणत ने डीआरएम को यह भी स्मरण कराया कि तेलघानी नाका क्षेत्र में राजपूताना होटल के सामने से प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 7 तक पहुँचने हेतु प्रस्तावित ओवर ब्रिज तथा अंडर ब्रिज के निर्माण के लिए भी जैसे ही रेलवे द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान की जाएगी, राज्य सरकार इस कार्य को अपने बजट से शीघ्र क्रियान्वित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर देगी। इसके अतिरिक्त, श्री मूणत ने डीआरएम कार्यालय के पीछे स्थित नाले पर भी अंडर ब्रिज अथवा ओवर ब्रिज निर्माण की संभावनाओं की जाँच कर समुचित कार्यवाही किए जाने का अनुरोध किया, जिस पर मंडल रेल प्रबंधक ने सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक तकनीकी परीक्षण कराए जाने का आश्वासन दिया।

बिलासपुर हाईकोर्ट के आदेश पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। उच्च न्यायालय के आदेश और जिला कलेक्टर के निर्देश पर बिलासपुर नगर पालिका और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। लगातार चले इस अभियान में चकरभांठा क्षेत्र के कई हिस्सों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई विशेष रूप से बोदरी नया पारा चौक से चकरभांठा ब्रिज तक और रहंगी मोड़ से हाईकोर्ट आवासीय परिसर तक केंद्रित रही।

सड़क किनारे से अवैध कब्जों की सफाई अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए फलों और सब्जियों के ठेले, गुमटी, दुकानों के आगे बनाए गए अस्थायी शेड और पोस्टरों को हटाया गया। साथ ही सड़क पर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अव्यवस्थित वाहनों को भी जब्त किया गया। इसके लिए नगर पालिका की टीम ने लिफ्टर की मदद से दर्जनों वाहनों को उठाकर थाने भेजा। अधिकारियों ने साफ संदेश दिया कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस और राजस्व विभाग की टीम रही सक्रिय अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई में प्रशासन की कई टीमें शामिल थीं। मौके पर तहसीलदार संदीप साय, नायब तहसीलदार ओमप्रकाश चंद्रवंशी, थाना प्रभारी उत्तम साहू, नगर पालिका के सीएमओ भारती साहू सहित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली ताकि किसी तरह का विवाद या विरोध की स्थिति न बने।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मिटेंगे अंधविश्वास : डॉ. दिनेश मिश्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास अंधविश्वासों व कुरीतियों को दूर करने का सबसे सशक्त साधन है। योग भवन रायपुर फुड्हर में लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्ति को बचपन से ही शिक्षा के साथ अंधविश्वासों से सचेत करना जरूरी है। असफलता का कारण ग्रह-नक्षत्रों में खोजने की बजाय स्वयं की कमियों का विश्लेषण करना चाहिए।

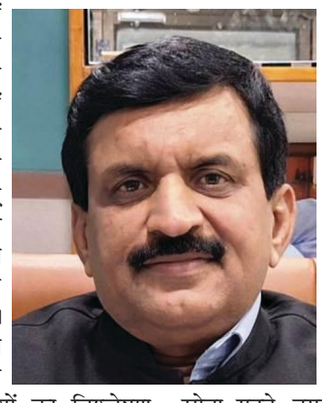

उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न धर्म और परंपराओं के चलते कई अंधविश्वास जन्म ले चुके हैं। इनसे न केवल ठगी होती है बल्कि समाज की प्रगति भी बाधित होती है। विशेषकर छत्तीसगढ़ में टोनही प्रथा के नाम पर महिलाओं की प्रताड़ना मानव अधिकारों का खुला उल्लंघन है। इस कुप्रथा के खिलाफ प्रदेश में 30 वर्षों से कोई नारी टोनही नहीं अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ. मिश्र ने कहा कि बीमारियों का इलाज झाड़-फूंक या तंत्र-मंत्र से नहीं बल्कि आधुनिक चिकित्सा से संभव है। कोरोना काल इसका उदाहरण है, जिसमें चिकित्सा विज्ञान ने महामारी पर नियंत्रण पाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ताबीज, अंगूठी या चमत्कारिक उपायों से सफलता नहीं मिलती, बल्कि कठिन परिश्रम और सुनियोजित तैयारी ही सफलता का मार्ग है।

उन्होंने चेतावनी दी कि चमत्कार दिखाने, सोना-गहने दुगुना करने जैसी ठगी से महिलाएँ अधिक शिकार होती हैं। छात्रों और ग्रामीणों को चाहिए कि वे अपने आसपास के लोगों को विज्ञानसम्मत जानकारी देकर जागरूक करें। व्याख्यान के बाद वैज्ञानिक प्रयोगों के माध्यम से चमत्कारों की सच्चाई भी समझाई गई। कार्यक्रम में संयोजक चंद्रेश सहित प्रदेशभर के छात्र उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय से मुलाकात कर महत्वपूर्ण योजनाओं पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रविवार को कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय से सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय मुलाकात की। यह मुलाकात भाजपा कार्यालय में हुई, जहां दोनों नेताओं ने प्रदेश की राजनीति, संगठन की मजबूती और जनता से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर विशेष रूप से मंथन हुआ। कैबिनेट मंत्री अग्रवाल ने कहा कि पवन साय का मार्गदर्शन उनके लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है और आगे भी यह संगठन और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

मुलाकात के दौरान प्रदेश की मौजूदा परिस्थितियों, जनता तक योजनाओं की पहुँच, संगठन की नीतियों को घर-घर पहुँचाने और आम लोगों की समस्याओं के समाधान जैसे मुद्दों पर भी चर्चा

हुई। राजेश अग्रवाल ने विश्वास जताया कि भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय के अनुभव और नेतृत्व क्षमता से प्रदेश में संगठन और मजबूत होगा तथा जनता के हित में योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा सकेगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बैठक सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि आगामी महीनों में प्रदेश की राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा देने वाली साबित हो सकती है।

खासकर आने वाले समय में भाजपा जिस तरह जनकल्याण और विकास की योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाना चाहती है, उसमें संगठन महामंत्री की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पवन साय ने भी इस मुलाकात में संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं की भूमिका और जनता तक पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य सदैव जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करना और विकास की गति को निरंतर आगे बढ़ाना है। यह आत्मीय मुलाकात छत्तीसगढ़ की राजनीति में भाजपा की रणनीतिक तैयारियों को रेखांकित करती है, जिसमें संगठन और सरकार मिलकर प्रदेश की जनता की भलाई के लिए काम करने का संकल्प दोहरा रहे हैं।

सिक्ख समाज की नई पहल : गुरु पर्व के अवसर पर चलाया साइबर क्राइम जागरूकता अभियान

श्रीगुरु ग्रंथ साहिब के 421 में प्रकाश पर्व के अवसर पर भव्य समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुद्वारा गोविंद नगर रायपुर में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 421 में प्रकाश पर्व के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दरबार साहब के भाई कुलदीप सिंह और पटना साहिब वाले भाई सरबजीत सिंहकीर्तन से संगत को निहाल किया।

कार्यक्रम की कमान भाई हरविंदर सिंह जी हजूरी रागी जथा गुरुद्वारा गोविंद नगर, ज्ञानी अमर सिंह जी ग्रंथि गुरुद्वारा गोविंद ने संभाली और भाई हरमिंदर सिंह जी ग्रंथि गुरुद्वारा गोविंद नगर ने आज के प्रकाश पर्व के अवसर पर सरबत के भले की अरदास की। इस अवसर पर सिख समाज के स्त्री पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग गुरु घर का आशीर्वाद लेने बड़े ही उत्साह के साथ पहुंचे। सभी ने शबद कीर्तन कथा सुनकर और अरदास में भाग लेकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त कीं।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने गुरुद्वारा पहुंचे स्त्री पुरुष और बुजुर्गों को आज के वर्तमान माहौल के तहत देश में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं और ऑनलाइन ठगों द्वारा की जाने वाली ठगी से बचने और बचाने के उद्देश्य से पंपलेट बांटकर लोगों को जागरूक किया और सतर्क रहने की अपील की। इस अभियान की संगत ने तारीफ की और कहा कि यह पंपलेट एक सुरक्षा कवच का काम

करेगा। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा और अन्य सदस्यों ने इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने के लिए नई पहल की।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सिख समाज साइबर क्राइम जागरूकता अभियान स्कूलों के माध्यम से लगातार चला रहा है, इस बार छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने साइबर क्राइम जागरूकता अभियान को गुरुद्वारे में सिक्ख संगत को सतर्क करने के उद्देश्य से शुरू किया है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, सुरजीत सिंह छाबड़ा, मनजीत सिंह भाटिया, स्वर्ण सिंह चावला, गुरमीत सिंह छाबड़ा, गुरमीत सिंह टोनी, स्वर्ण पाल सिंह चावला, परमजीत सिंह सलूजा, बलविंदर सिंह कलसी, सतपाल सिंह खनूजा, बलजीत सिंह भाटिया, रणवीर सिंह चावला सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मोहरेंगा पंचायत में लगाए 15,000 पौधे

रायपुर। अदाणी फाउंडेशन ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों के अंतर्गत मोहरेंगा ग्राम पंचायत में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक वनों को सशक्त करना और ग्रामीणों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के दौरान लगभग 15 हज़ार पौधे लगाए गए, जिनमें फलदार, छायादार और औषधीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई। यह वृक्षारोपण 12 एकड़ क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर करीब 300 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मोहरेंगा पंचायत की सरपंच श्यामा बाई धीवर ने कहा, वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का वचन है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

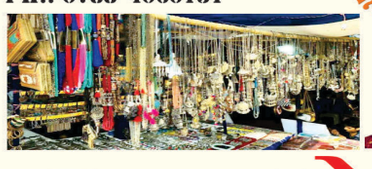

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

गोविंदा व सुनीता तलाक की अफवाह पर टीना आहूजा ने दी सफाई!

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं, लेकिन गलत वजहों से। हाल ही में आई खबरों से पता चला है कि उनकी स्टार पत्नी ने अभिनेता पर व्यभिचार, क्रूरता और परित्याग का आरोप लगाया है और 38 साल की शादी के बाद तलाक के लिए अर्जी दी है। इस खबर के सामने आने के कुछ दिनों बाद, दंपति की बेटी टीना आहूजा ने आखिरकार इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी। टीना आहूजा ने कहा कि वह इतने खूबसूरत परिवार के लिए धन्य हैं।

टीना आहूजा ने प्रशंसकों के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और अपने माता-पिता के तलाक की खबरों का भी खंडन किया। उन्होंने कहा, ये सब अफवाहें हैं। इसके अलावा, जब उनसे पूछा गया कि जब ऐसी खबरें बार-बार सामने आती हैं तो उन्हें कैसा लगता है, तो अभिनेत्री ने जवाब दिया कि वह इन अफवाहों पर ध्यान नहीं देतीं।

टीना आहूजा ने अपने तलाक की हालिया खबरों पर अपने माता-पिता की प्रतिक्रिया का खुलासा किया आहूजा से उनके तलाक की खबरों पर उनके माता-पिता की प्रतिक्रिया के बारे में भी पूछा गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने खुलासा किया कि गोविंदा देश में ही नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे एक खूबसूरत परिवार पाकर बहुत खुशी हुई है और मैं मीडिया, प्रशंसकों और प्रियजनों से मिले प्यार, स्नेह और समर्थन के लिए सचमुच आभारी हूँ।

गोविंदा और सुनीता आहूजा के तलाक की खबर के बारे में विवरण हॉटरफ्लाई की रिपोर्ट के अनुसार, सुनीता आहूजा ने 5 दिसंबर, 2024 को बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आहूजा ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 13 (1) (i), (ia), (ib) के तहत व्यभिचार, क्रूरता और परित्याग के आधार पर मामला दायर किया। कथित तौर पर, गोविंदा को अदालत ने तलब किया और आगे की प्रक्रिया के लिए पेश होने को कहा। हालाँकि, वह मई 2025 तक अदालत में पेश नहीं हुए। कहा जा रहा है कि जून 2025 से, यह जोड़ा अदालत द्वारा अनिवार्य परामर्श के माध्यम से मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहा है। सुनीता इस प्रक्रिया के लिए व्यक्तिगत रूप से अदालत पहुँच रही हैं, जबकि गोविंदा अनुपस्थित रहे हैं। यह ज्ञात नहीं है कि वह व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से परामर्श में भाग ले रहे हैं।

पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में होंगी मजेदार और जरूरी बातें: अभिनेत्री सोहा अली खान

अभिनेत्री सोहा अली खान ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर शुरू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में हम एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आए हैं, जो अब तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है।

सोहा ने कहा, मैं मानती हूं कि आजकल पॉडकास्ट्स की संख्या बहुत बढ़ गई है और लोगों की दिलचस्पी भी इसमें बढ़ रही है। लेकिन जब मैंने रिसर्च की तो देखा कि न्यूज, फिक्शनल थ्रिलर्स, वेलनेस और पैरेंटिंग जैसे विषयों पर कई पॉडकास्ट हैं, मगर महिलाओं की वेलनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी गैप को भरने की कोशिश कर रही हूं।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सेलेब्रिटी होता है या कोई एक्सपर्ट। लेकिन उनके पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है। इसमें न केवल सेलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे।

सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सेलेब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता है। लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, तो बातचीत भी मजेदार होती है और सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं। यही इस पॉडकास्ट की खासियत है।

उम्मीद है कि यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक बनाएगा और उपयोगी जानकारी मुहैया कराने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, और सनी लियोन जैसे कई पॉपुलर चेहरे नजर आएंगे। साथ ही, किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु, और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी। अभिनेत्री का पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर 22 अगस्त से यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है।

सुहाना खान और अगस्त्य नंदा के रिश्ते पर हुई चर्चा, दोनों ने की पार्टी

सुहाना खान ने भले ही अपनी निजी जिंदगी के बारे में कभी खुलकर बात न की हो, लेकिन अगस्त्य नंदा के साथ उनके कथित रिश्ते की चर्चा हमेशा से ही रही है। दोनों की मुलाकात उनकी पहली ओटीटी फिल्म, द आर्चीज के सेट पर हुई थी और तब से वे रिलेशनशिप में हैं।

उन्हें लगातार साथ में देखे जाने से प्रशंसकों को यकीन हो गया है कि उनके बीच दोस्ती से कहीं बढ़कर कुछ है। खैर, शाहरुख खान की बेटी को बीती रात अपनी बेस्ट फ्रेंड नव्या नवेली नंदा और अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ शहर में देखा गया, जिससे एक बार फिर सबकी भौहें तन गईं।

सुहाना खान अगस्त्य नंदा और नव्या नवेली नंदा के साथ पार्टी करती नज़र आईं हाल ही में, शाहरुख खान की राजकुमारी सुहाना खान अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत अंदाज में अपने घर से बाहर निकलीं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में, हम नवोदित अभिनेत्री को अपनी बेस्ट फ्रेंड और अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा के साथ पार्टी स्थल से बाहर आते हुए देख सकते हैं। खान के कथित बॉयफ्रेंड अगस्त्य नंदा भी उनके साथ देखे गए।

वीडियो में, हम नव्या और सुहाना को अपनी एक और दोस्त के साथ कार की पिछली सीट पर बैठे हुए देख सकते हैं। नव्या काले रंग के आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जबकि शाहरुख की बेटी स्टाइलिश आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। जब पपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद किया, तो दोनों मुस्कुराए बिना नहीं रह सकीं। सुहाना खान का वर्कफ्रंट सुहाना खान एक्शन से भरपूर किंग खान के साथ अपनी फीचर फिल्म की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अपने पिता शाहरुख खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। इस फिल्म में शाहरुख और दीपिका पादुकोण के साथ सुहाना खान, अभिषेक बच्चन, अरशद वारसी, अनिल कपूर, जयदीप अहलावत, रानी मुखर्जी, अभय वर्मा और जैकी श्रॉफ जैसे दमदार कलाकार हैं। हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही इस एक्शन थ्रिलर में शाहरुख एक गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं।

लंबे ब्रेक के बाद अभिनेत्री सना मकबूल की महिला केंद्रित वेब सीरीज से बड़े पर्दे पर वापसी

लंबे ब्रेक के बाद अभिनेत्री सना मकबूल अब महिला केंद्रित वेब सीरीज के साथ वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि लंबे समय तक चुपचाप अपनी सेहत का ख्याल रखने और खुद को दोबारा तैयार करने के बाद अब फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं।

सना ने अपनी जिंदगी के सफर को याद करते हुए कहा कि जब हालात ने उन्हें रुकने पर मजबूर किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि महिलाएं अक्सर खुद को सबसे आखिर में रखती हैं, अपने सपनों को, अपनी सेहत को, और अपनी खुशी को भी। उन्होंने कहा, मेरे लिए महिलाओं से जुड़ी एक कहानी के साथ वापसी करना बहुत खास है। ये मेरी तरफ से एक संदेश है कि हम सबको दूसरा मौका मिलना चाहिए, और हम सबकी बात सुनी जानी चाहिए।

उनकी आने वाली वेब सीरीज महिलाओं की भावनाओं, ताकत और जज्बे पर आधारित होगी, जो सना की जिंदगी के अनुभवों से भी मेल खाती है। इस प्रोजेक्ट को उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि वह ऐसे किरदारों को सामने लाना चाहती थीं, जो साहस, उम्मीद और आत्म-खोज की मिसाल पेश करें। सना को आखिरी बार सुर्खियों में तब देखा गया था, जब जून में उनकी करीबी दोस्त, डॉ. आशना कंचवाला ने अस्पताल से एक इमोशनल पोस्ट शेयर की थी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर सना की एक बीमार हालत में तस्वीर साझा करते हुए आशना ने लिखा था, मेरी सबसे स्ट्रॉन्ग दोस्त। तुमने जैसी हिम्मत दिखाई है, मैं तुम पर गर्व करती हूं। तुम जल्द ही इस मुश्किल से बाहर आओगी।

इसके कुछ दिन बाद, सना ने भी सोशल मीडिया पर अपने फैन्स को धन्यवाद कहा और सभी से दुआओं की गुजारिश की। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने हाथ में एक डॉल पकड़ी थीं और लिखा था, मेरे इस तूफान के बीच, वह मेरे लिए पहला लैबुबू लाया। इसके साथ ही सना ने एक इंटरव्यू में अपने हेल्थ इश्यू के बारे में खुलकर बताया था। उन्होंने कहा था, इस बीमारी में शरीर अपने ही अंगों पर हमला करता है। मेरे केस में यह लिवर को प्रभावित कर रहा है। यह लुपस की तरह है, जिसमें किडनी या जोड़ों पर असर होता है।

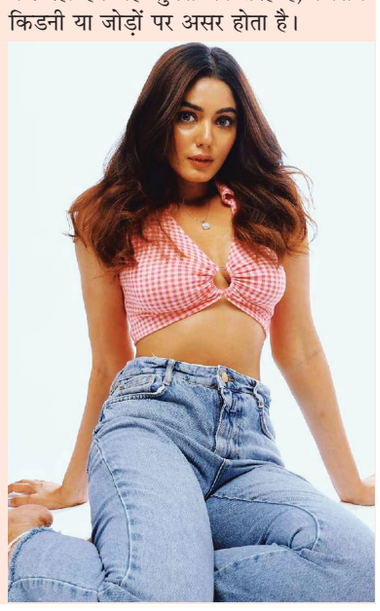

अब इंतजार हुआ खत्म! 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का टीजर इस दिन होगा आउट

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में अभिनेता वरुण धवन और जाह्नवी कपूर को एक बार फिर साथ देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। वहीं, मेकर्स भी उत्सुकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा किया था और अब टीजर की जानकारी देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मंडप सजेगी, महफिल जमेगी पर सनी और तुलसी की एंट्री सारी स्क्रिप्ट बदल देगी। टीजर 28 अगस्त गुरुवार को रिलीज होगा। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फैंस उनकी पोस्ट देखकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं, कमेंट सेक्शन पर वे 'हार्ट' और 'फायर' जैसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, इंतजार नहीं कर सकते। दूसरे यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेड, सन्नी। एक और यूजर ने लिखा, फाइनली अब हम वरुण को फिर से रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में देख पाएंगे। अन्य यूजर ने लिखा, आपकी फिल्म को देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इसी के साथ ही वीडियो को वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा, जाह्नवी कपूर, रोहित श्राफ, मनीष पॉल और करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।

बता दें, फिल्म की रिलीज डेट पर कई बार बदलाव किए गए हैं। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में एक बार फिर वरुण और जान्हवी स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने साल 2023 में आई फिल्म 'बवाल' में साथ काम किया था।

फिल्म में अक्षय, जाह्नवी और वरुण के अलावा अक्षय ओबेरॉय, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी अहम किरदार में हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' अब बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा: अ लीजेंड - चैप्टर 1' और हर्षवर्धन राणे की अभिनीत फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' से टक्कर लेगी। इस बीच, जान्हवी कपूर भी 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आने वाली 'परम सुंदरी' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। दूसरी ओर, वरुण धवन फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

मैट लिपस्टिक लगाते समय इन 5 बातों को ध्यान में रखें, आपके होंठ नहीं होंगे शुष्क

बाजार में विभिन्न प्रकार की लिपस्टिक उपलब्ध रहती हैं, जिन्हें लगाने पर अलग-अलग लुक मिलते हैं। इन्हीं में से एक है मैट लिपस्टिक, जिसकी बनावट मखमली होती है। इस तरह की लिपस्टिक लगाने पर होंठ चमकते नहीं है, क्योंकि यह ग्लॉसी और क्रीमी नहीं होतीं। मैट लिपस्टिक लगाने पर कई बार होंठ बेहद शुष्क हो जाते हैं, जिससे पूरा लुक बिगड़ जाता है। ऐसे में आपको इस उत्पाद का इस्तेमाल करते समय इन मेकअप टिप्स को ध्यान में रखना चाहिए।

होंठों को एक्सफोलिएट करें

लिपस्टिक अच्छी तरह तभी लग पाएगी जब आपके होंठ मुलायम होंगे। इसके लिए लिपस्टिक लगाने से पहले उन्हें अच्छी तरह एक्सफोलिएट कर लें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगी तो होंठ फट जाएंगे और दरारों वाले हिस्सों से लिपस्टिक छूट जाएगी। एक अच्छी गुणवत्ता वाले लिप स्क्रब में निवेश करें या उसे घर पर ही बना लें। चीनी और नारियल तेल मिलाकर होंठों को उंगली से घिसें। इससे मृत त्वचा साफ हो जाएगी और मैट लिपस्टिक मक्खन की तरह लग जाएगी।

लिप बाम लगाना न भूलें

मैट लिपस्टिक की बनावट शुष्क करने वाली होती है, जो खूबसूरत लुक देती है। हालांकि, अगर इसे शुष्क होंठों पर ही लगाया जाए तो जाहिर है कि होंठ फटने का डर रहेगा। इसीलिए जरूरी है कि मैट लिपस्टिक इस्तेमाल करने से पहले आप होंठों को अच्छी तरह मॉइस्चराइज कर लें। इसके लिए एक अच्छा लिप बाम लगाएं, जो होंठों को हाइड्रेशन प्रदान करे और ज्यादा चिपचिपा न हो। लिप बाम न हो तो आप लिप ग्लॉस इस्तेमाल कर सकती हैं।

सही लिपस्टिक का चुनाव करें

बेहतरीन लुक पाने के लिए होंठों की देखभाल पर ध्यान देने के साथ-साथ सही मैट लिपस्टिक चुनना भी जरूरी है। अगर आप सस्ते दामों वाली लिपस्टिक चुनेंगी तो वह कुछ ही देर में होंठों को शुष्क कर देगी। इसके बजाय, अच्छे और प्रसिद्ध ब्रांड की ही मैट लिपस्टिक खरीदें। ऐसे फॉर्मूले वाली लिपस्टिक में निवेश करें, जो क्रीमी मैट फिनिश प्रदान करती हो। इसके अलावा अपनी त्वचा की रंगत के अनुसार ही मैट लिपस्टिक के रंग का चुनाव करें।

लिप लाइनर का उपयोग करें

अगर आपके होंठ बहुत पतले हैं तो आपको मैट लिपस्टिक लगाने से पहले लिप लाइनर का इस्तेमाल करना चाहिए। यह पेंसिल जैसा दिखने वाला उत्पाद होता है, जो होंठों को आकार देने के काम आता है। होंठों की बाहरी रेखाओं पर इसे लगाएं, ताकि एक बॉर्डर तैयार हो जाए। अब बीच के हिस्से में अपनी मैट लिपस्टिक लगा लें। इससे आपके होंठ बड़े दिखाई देंगे और लिपस्टिक ज्यादा सफाई से लग सकेगी।

लिपस्टिक की लेयर न लगाएं

मैट लिपस्टिक अधिक पिग्मेंटेड होती हैं, यानि कि उनका रंग गहरा होता है। इनकी एक लेयर लगाने पर भी आपको बेहतरीन रंग मिल जाएगा और आपके होंठ सुंदर नजर आने लगेंगे। इसी कारण आपको मैट लिपस्टिक की कई लेयर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसको लेयर करने से रंग ज्यादा गाढ़ा हो सकता है और होंठ ज्यादा चिपचिपे और शुष्क हो सकते हैं। अगर आप इन टिप्स का पालन करते हुए मैट लिपस्टिक लगाएंगी तो आपको शानदार लुक मिलेगा।

हल्के बुखार को ठीक करने में मदद कर सकते हैं ये पांच आयुर्वेदिक नुस्खे

बुखार एक आम समस्या है, जो किसी भी कारण से हो सकती है। आमतौर पर वायरल संक्रमण, ठंड या किसी अन्य संक्रमण के कारण बुखार होता है। इससे शरीर कमजोर हो जाता है और कई बार यह कामकाज में भी बाधा डाल सकता है। इस लेख में हम कुछ ऐसे आयुर्वेदिक नुस्खों के बारे में जानेंगे, जो हल्के बुखार को ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इन नुस्खों को अपनाकर आप जल्दी ठीक हो सकते हैं।

तुलसी और अदरक की चाय पीएं

तुलसी और अदरक की चाय पीना बुखार के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। तुलसी में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सुरक्षा को मजबूत करते हैं। अदरक में सूजन और दर्द को कम करने वाले गुण होते हैं। इन दोनों का मिश्रण शरीर को ठंडक पहुंचाता है और बुखार को कम करता है। चाय बनाने के लिए एक कप पानी में कुछ तुलसी की पत्तियां और थोड़ी अदरक डालकर उबालें, फिर इसे छानकर पीएं।

हल्दी वाला दूध पीएं

हल्दी वाला दूध पीना भी बुखार के लिए एक अच्छा घरेलू उपाय हो सकता है। हल्दी में ऐसे तत्व होते हैं, जो सूजन को कम करते हैं। दूध में कैल्शियम और प्रोटीन होते हैं, जो शरीर को ताकत देते हैं। बुखार होने पर सोने से पहले एक कप हल्दी वाला दूध पिएं। इससे शरीर को आराम मिलेगा और नींद भी अच्छी आएगी। यह नुस्खा जल्दी ठीक होने में मदद करेगा और शरीर की सुरक्षा को मजबूत बनाएगा।

तुलसी की पत्तियां चबाएं

तुलसी की पत्तियां चबाना भी बुखार के लिए एक असरदार उपाय हो सकता है। तुलसी की पत्तियां शरीर की सुरक्षा को मजबूत करती हैं और शरीर को ठंडक पहुंचाती हैं। बुखार होने पर सुबह-सुबह खाली पेट 3-4 तुलसी की पत्तियां चबाएं। इससे शरीर को आराम मिलेगा और बुखार जल्दी ठीक होगा। इसके अलावा तुलसी की पत्तियां पाचन क्रिया को भी सुधारती हैं, जिससे शरीर की सफाई होती है।

पुदीने की पत्तियां चबाएं

पुदीने की पत्तियां भी बुखार के लिए एक अच्छा घरेलू उपाय हो सकता है। पुदीने में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करते हैं। इसके अलावा पुदीने की पत्तियां पाचन क्रिया को भी सुधारती हैं, जिससे शरीर की सफाई होती है। बुखार होने पर सुबह-सुबह खाली पेट 3-4 पुदीने की पत्तियां चबाएं। इससे शरीर को आराम मिलेगा और बुखार जल्दी ठीक होगा।

गिलोय का रस पिएं

गिलोय का रस भी बुखार के लिए एक असरदार उपाय हो सकता है। गिलोय को अमृत भी कहा जाता है क्योंकि यह कई रोगों का इलाज करती है। इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सुरक्षा को मजबूत करते हैं। बुखार होने पर गिलोय का रस पिएं। इसके लिए गिलोय की डंडी को पानी में उबालकर उसका रस निकाल लें। इस रस को दिन में दो बार पिएं, इससे जल्दी ठीक होने में मदद मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया नालंदा परिसर का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कांकेर में नगर घड़ी चौक के पास नालंदा परिसर (सेंट्रल लायब्रेरी-सह-रीडिंग जोन) का भूमिपूजन किया। चार करोड़ 71 लाख रूपए की लागत से इस 250 सीटर लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। सांसद भोजराज नाग और विधायक आशाराम नेताम भी इस दौरान उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नालंदा परिसर के निर्माण के लिए भूमिपूजन करने के बाद कांकेरवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है। जनसुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों को स्वच्छता में रैंकिंग में सात अवॉर्ड प्राप्त हो चुके हैं जो नागरिकों की जागरूकता और नगरीय प्रशासन विभाग की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं।

श्री साव ने कार्यक्रम में बताया कि पिछले एक साल में प्रदेश भर के नगरीय निकायों को सात हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि आबंटित की गई है। कांकेर नगर पालिका को भी 21 करोड़ रूपए विभिन्न विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार बनते ही पीएससी घोटाले की जांच कराकर युवाओं के साथ न्याय किया गया। इसी तरह मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया जिससे प्रदेशभर के 300 से अधिक शिक्षकविहीन विद्यालयों में शिक्षक पदस्थ किए गए तथा 5 हजार एकल शिक्षकीय विद्यालयों में अध्यापकों की व्यवस्था की गई।

उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि 'सिटी डेवलपमेंट प्लान' के तहत आगे भी विकास कार्यों के लिए कांकेर जिले के नगरीय निकायों को पर्याप्त राशि दी जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए नालंदा परिसर का लाभ लेने और अपना भविष्य संवारने की बात कही। उन्होंने नालंदा परिसर के निर्माण हेतु अनुबंधित एजेंसी को समय से पहले गुणवत्तायुक्त परिसर का निर्माण करने तथा शहर की गरिमा के अनुरूप कार्य करने के लिए निर्देशित किया। सांसद भोजराज नाग ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पूरा कर रहे हैं। पुराने समय के तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों की तर्ज पर प्रदेश सरकार प्रतिभाओं को आगे लाने और अवसर प्रदान करने लगातार प्रयास कर रही है। विधायक आशाराम नेताम ने जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित मावा मोदोल कोचिंग सेंटर की उपलब्धियों तथा यहां के बच्चों के होमगॉर्ड में चयनित होने की जानकारी दी। उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री साव द्वारा कांकेर नगर के विकास के लिए बजट में प्रावधान करने पर आभार प्रकट किया। नगर पालिका के अध्यक्ष अरूण कौशिक ने शहर में अब तक हुए कार्यों की जानकारी दी।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव, जिला पंचायत की अध्यक्ष किरण नरेटी, उपाध्यक्ष ताराबती ठाकुर, कांकेर नगर पालिका के उपाध्यक्ष उत्तम यादव, पूर्व विधायकद्वय सुमित्रा मारकोले एवं शिशुपाल शोरी तथा जिला पंचायत के सी.ई.ओ. हरेश मंडावी सहित पार्षदगण और अनेक गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने समारोह में विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों और एनसीसी-एनएसएस से जुड़े प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में डी.पी. विप्र कॉलेज के एनसीसी कैप्टन आशीष शर्मा, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस मनोज सिन्हा, पीएनएस कॉलेज, बिलासपुर की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मोना केवट और उच्च न्यायालय के उप पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह बैस शामिल रहे। इसके साथ ही मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कंपनी कमांडर सरबराज सिन्हा (बी कंपनी, 12वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल उच्च न्यायालय आवासीय परिसर), कंपनी कमांडर बाबूलाल सोनवानी (दूसरी वाहिनी छसबल, कैंप-उच्च न्यायालय सुरक्षा कंपनी), जू.यू.ओ. आदित्य गिरी गोस्वामी (7वीं वाहिनी एनसीसी सीनियर डिवीजन, बिलासपुर) और कैडेट अमर यादव को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने सभी प्रतिभागियों को उनकी श्रेष्ठ परेड के लिए बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारी, रजिस्ट्री के अधिकारी-कर्मचारी और उच्च न्यायालय परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्टेट व नेशनल हाइवे में घूमंतु पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं में घायलों के उपचार के लिए व्यवस्था सुदृढ़ की जाएः मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पशुधन एवं मछलीपालन मंत्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पशुधन एवं मछलीपालन विभाग मिलने के बाद यह मंत्री नेताम की पहली बैठक है। मंत्री नेताम ने बैठक में कहा कि गाय हमारी आध्यात्मिक मान्यता के साथ ही मानसिक संवेदनाओं से जुड़ी हुई है। स्टेट व नेशनल हाइवे पर घूमंतु पशुओं की दुर्घटनाएं देखने को मिलती है, जो पीड़ादायक होती है। उन्होंने कहा कि स्टेट व नेशनल हाइवे में घूमंतु पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं में घायल पशुओं के उपचार की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र के आसपास घटित होने वाली पशु दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए नगरीय निकायों के समन्वय से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किया जाना चाहिए।

मंत्री श्री नेताम ने मछलीपालन विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न किस्मों की मछलियों का उत्पादन हो रहा है, इसमें बस्तर का झींगापालन भी शामिल है। उन्होंने मछलियों के उत्पादन में वृद्धि करने के साथ ही नवा रायपुर अटल नगर में विश्वस्तरीय फिश एक्वेरियम हाऊस बनाने के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इसके लिए विभागीय अधिकारियों के दल को चंडीगढ़, गुजरात एवं अन्य राज्यों में अध्ययन के लिए भेजकर परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर जिले में दो-दो फिश प्रदर्शन तालाब बनाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि हर क्षेत्र का क्लाइमेंट अलग-अलग होता है। क्लाइमेंट के अनुरूप पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरीपालन एवं सुकरपालन की गतिविधियां संचालित की जाए ताकि पशुपालकों को इसका बेहतर लाभ मिले।

पशुपालकों को विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है उनके लिए चारा की व्यवस्था करना, पशुओं को हरी घास मिले इसके लिए योजना बनाई जाए। उन्होंने सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया और सूरजपुर जिले में स्लाइज उत्पादन पर भी जोर दिया। मंत्री नेताम ने मत्स्य और पशुपालन किसानों को सहकारी समितियों से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री नेताम ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को आय दोगुनी करने नवाचार के साथ ही तकनीकी उपयोग पर बल दिया है। छत्तीसगढ़ में भी मत्स्य पालक किसानों की आय को बढ़ाने के योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए। उन्होंने कहा कि केज कल्चर के जरिए मत्स्य पालन में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है।

उन्होंने नीलक्रांति योजना को बढ़ावा देने के साथ ही फिनफिश हैचरीज की स्थापना, मत्स्य बीज उत्पादन, नवीन तालाबों का निर्माण एवं मछली पालन, केज कल्चर, पंगेसियस हैचरी, तेलपिया कल्चर को बढ़ावा देने तथा राज्य तथा केन्द्र की योजनाओं का लाभ मत्स्य किसानों को पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री नेताम ने बैठक में मछुआ समितियों को प्राथमिकता के तौर पर मछलीपालन के व्यवसाय से जोड़ने पर बल दिया। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त सहला निगार, पशुधन विभाग के संचालक चंद्रकांत वर्मा, मछलीपालन विभाग के संचालक नारायण सिंह नाग सहित इन विभागों के वरिष्ट अधिकारी उपस्थित थे।

युक्तियुक्तकरण से परसदा स्कूल में शिक्षक पदस्थ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के पाली ब्लॉक के ग्राम परसदा स्थित प्राथमिक शाला, जो वर्ष 1964 से निरंतर संचालित हो रही है, शिक्षा की ज्योति को आज भी प्रज्वलित किए हुए है। बीते छह दशकों से अनेक विद्यार्थियों ने इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य संवार लिया। समय के साथ विद्यालय का भवन जर्जर हुआ, जिसे संवारकर पुनः उपयोग योग्य बनाया गया। किन्तु वर्षों से शिक्षक पद रिक्त होने के कारण यहाँ अध्ययनरत विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

राज्य शासन द्वारा की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से इस समस्या का समाधान संभव हो सका। इसी के अंतर्गत इस सत्र में विद्यालय को नियमित शिक्षक प्राप्त हुआ है। श्री रूपेश कश्यप की यहाँ नियुक्ति हुई है। अब 46 विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं का लाभ उठा रहे हैं। शिक्षक श्री कश्यप ने बताया कि वे इस विद्यालय से जुड़े होने पर गर्व महसूस कर रहे हैं, क्योंकि यह विद्यालय उनके अपने गाँव का है।

विद्यार्थियों ने भी नए शिक्षक के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की है। छात्र अभिषेक राजपूत, नीतेश, अनुराग राजपूत तथा छात्राएँ हिना, अनामिका, आदिति और दीपल ने बताया कि अब उनकी कक्षाएँ नियमित रूप से लग रही हैं। गुरुजी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि वर्षों से विद्यालय में शिक्षक की कमी बनी हुई थी, अब इस कमी की पूर्ति होने पर उन्हें बेहद खुशी है।

इसी प्रकार ग्राम परसदा के लाइनपारा स्थित प्राथमिक विद्यालय, जहाँ 34 विद्यार्थी पंजीकृत हैं, में भी युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से शिक्षिका श्रीमती नेमी जायसवाल की पदस्थापना हुई है। यह विद्यालय पूर्व में एकल शिक्षकीय था। यहाँ अध्ययनरत छात्राएँ मानसी, पायल और पुनिशा ने बताया कि शिक्षिका के आने से अब नियमित रूप से पढ़ाई हो रही है। विद्यालय के प्रधानपाठक श्री नोहर प्रसाद साहू ने कहा कि युक्तियुक्तकरण से शिक्षिका की नियुक्ति होने से न केवल विद्यार्थियों को लाभ हुआ है बल्कि विद्यालय संचालन में भी सहूलियत हुई है।

एम्स रायपुर और बिलासपुर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के बीच एमओयू, मरीजों को मिलेगा उच्चस्तरीय स्वास्थ्य लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर के शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के बीच आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने कहा कि इस ऐतिहासिक समझौते के जरिए बिलासपुर के डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ को एम्स जैसे विश्वस्तरीय संस्थान से प्रशिक्षण और नवीनतम चिकित्सा तकनीकों का अनुभव मिलेगा।

इससे न केवल अस्पताल की रिसर्च और उपचार क्षमता बढ़ेगी बल्कि आम नागरिकों को भी अपने ही शहर में उच्चतम स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देशन पर उन्होंने एम्स रायपुर की कार्यप्रणाली को करीब से देखा और बिलासपुर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में वैसी ही सुविधाओं का विकास किया जाए को लेकर योजना तैयार की।

डॉ. सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की स्पष्ट प्राथमिकता है कि प्रदेशवासियों को बड़े शहरों पर निर्भर हुए बिना ही अपने जिले में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। उन्होंने इस एमओयू को प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि सरकार लगातार जन-स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है।

एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक जिंदल ने भरोसा दिलाया कि एम्स, बिलासपुर अस्पताल के चिकित्सकों, बहु-केंद्रीय अध्ययनों में हर संभव मदद देगा।

बस्तर के आदिवासियों की चिंता केंद्र और राज्य दोनों सरकारें कर रहीं: अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव कांकेर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भानुप्रतापपुर ब्लॉक के ग्राम कोरर में मावा मोदोल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। उन्होंने ग्राम हाटकोंदल में बहुप्रतीक्षित तीन निर्माण कार्यों का लोकार्पण और एक निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया। सांसद भोजराज नाग, विधायक सावित्री मंडावी और आशाराम नेताम भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

हाटकोंदल हायर सेकंडरी स्कूल परिसर में आयोजित लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि यहां के विद्यार्थियों को सर्वसुविधायुक्त नवीन स्कूल भवन की सुविधा मिली है, जिससे वे बेहतर माहौल में शिक्षा ग्रहण कर देश-दुनिया में अपना भविष्य संवार सकें। उन्होंने उपस्थित महिलाओं और ग्रामीणों को तीज पर्व और गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी समय में माओवाद का गढ़ कहलाने वाला बस्तर अब सतत् विकास की दिशा में बढ़ रहा है। यहां के आदिवासियों की चिंता राज्य के विष्णु देव साय की सरकार ही नहीं, अपितु केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार भी कर रही है। बस्तर में शांति स्थापित करने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय सरपंच की मांग पर हाटकोंदल से भीरावाही मार्ग पर छोकरा नाला में पुल निर्माण की घोषणा की। उन्होंने हाटकोंदल में रंगमंच निर्माण के लिए पांच लाख रुपए देने की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने हाटकोंदल में 7 करोड़ 32 लाख 93 हजार रुपए के 4 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 4 करोड़ 60 लाख 54 हजार रुपए के तीन निर्माण कार्यों का लोकार्पण और 2 करोड़ 72 लाख 93 हजार रुपए के एक निर्माण कार्य का भूमिपूजन शामिल है। उन्होंने दुर्गूकोंदल विकासखंड के ग्राम आमाकड़ा में 1 करोड़ 62 लाख 76 हजार रुपए की लागत से 50 सीटर आदिवासी कन्या आश्रम के निर्माण कार्य तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हाटकोंदल में एक करोड़ 20 लाख 93 हजार रुपए से निर्मित स्कूल भवन तथा जाड़ेकुर्से नाला पर एक करोड़ 76 लाख 85 हजार रुपए की लागत से निर्मित उच्च स्तरीय पुल का लोकार्पण किया। इनके साथ ही उन्होंने कंगलू कुम्हार शासकीय महाविद्यालय दुर्गुकोंदल में 2 करोड़ 72 लाख 39 हजार रुपए की लागत से बनने वाले 100 बिस्तरों के छात्रावास भवन के निर्माण का भूमिपूजन भी किया। कांकेर जिला पंचायत की अध्यक्ष किरण नरेटी, कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और ग्रामीण भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

बांस आभूषण एवं शिल्पकला निर्माण पर कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनमंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य सरकार की आजीविका संवर्धन योजनाओं के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। वनमंत्री कश्यप ने कहा कि वन विभाग का यह प्रयास न केवल पारंपरिक कला को सहेजने की दिशा में कारगर सिद्ध होगा, बल्कि इससे विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त कर विकास की मुख्यधारा से भी जोड़ा जा सकेगा। इसी कड़ी में बलौदाबाजार वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के मार्गदर्शन में बारनवापारा में बांस आभूषण एवं शिल्पकला निर्माण संबंधी कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसमें गुवाहाटी के बांस कला विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इस कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम बल्दाकछार से 06, ठाकुरदिया से 14 एवं बारनवापारा से 16 सहित कुल 36 हितग्राहियों को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों विशेषकर कमार और बसोड़ परिवारों को उनकी पारंपरिक बांस शिल्पकला में निपुण बनाकर आय के नए-नए साधन उपलब्ध कराना है।

खास खबर

नाला के तेज बहाव में बहे चार बच्चे, 3 की मौत, एक की तलाश जारी

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में एक ही परिवार के चार लोग उफनते नाले में बह गए हैं। बहने वाले 4 में से 3 बच्चों की मौत हो चुकी है और उनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। वहीं चौथे युवक की तलाश जारी है। तेज बारिश और रात होने के कारण रेस्क्यू कार्य रोक दिया गया था, जिसे सुबह होते ही फिर से शुरू कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला बेलगहना चौकी क्षेत्र का है। यहां एक परिवार के लोग भंवारटंक के मरही माता मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। वहीं लगातार बारिश होने के चलते नाला उफान पर आ गया। परिवार के लोग जब नाला पार कर रहे थे तब तेज बहाव के चलते तीन बच्चों सहित 4 लोग बह गए।

बच्चों समेत 4 लोगों के नाले में बहने की खबर मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य शुरू किया। रेस्क्यू के दौरान तीन बच्चों के शव को बरामद कर लिया गया था। वहीं एक युवक की तलाश जारी थी। सोमवार को तेज बारिश और रात होने के कारण रेस्क्यू कार्य रोकना पड़ा था। वहीं मंगलवार की सुबह होते ही गोताखोरों को टीम फिर से युवक की तलाश में जुट गई है। वहीं तीनों बच्चों के शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन से युवक की मौत, आरोपी फरार

रायगढ़। रायगढ़ में झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने डॉक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, कोतरा रोड स्थित सोनिया नगर का एक युवक कंधे में दर्द की शिकायत लेकर सोनिया नगर के नेचरो क्लिनिक पहुंचा था। यहां कथित झोलाछाप डॉक्टर साहू ने उसे इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन के बाद युवक की तबीयत बिगड़ने लगी, जिस पर डॉक्टर ने दूसरा इंजेक्शन लगाया। लेकिन इसके तुरंत बाद ही युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद डॉक्टर साहू क्लिनिक छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है, वहीं परिजनों का आरोप है कि बिना डिग्री और योग्यता के इलाज करने वाले झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से युवक की जान गई है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक को चाकू मारकर किया घायल

दुर्ग। दुर्ग जिले में पुरानी रंजिश के चलते पार्षद के साले पर पर चाकू से हमला कर दिया। युवकों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र के जागृति चौक का है। यहां पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने पार्षद के साले पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में पार्षद का साला गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल में घायल युवक का इलाज जारी है। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक फरार हो गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है।

अवैध संबंध के चलते हुई मजदूर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र में हुई एक सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महादेव चौक के पास रावाभांठा इलाके में युवक की हत्या कर शव बोरी में भरकर फेंके जाने के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अवैध संबंध के चलते इस हत्या को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

25 अगस्त 2025 को खमतराई थाना क्षेत्रांतर्गत मिलाल बाड़ा के पीछे खाली प्लॉट, रावाभांठा में एक बोरी के अंदर लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शव का चेहरा कपड़े से बंधा हुआ और हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे। मौके पर बुलाए गए एफएसएल दल ने जांच की तो पता चला कि युवक की हत्या धारदार हथियार से कई वार कर की गई है। प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का लगने पर थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 964/25 धारा 103, 238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने घटना को गंभीरता से लेते हुए क्राइम ब्रांच और थाना खमतराई पुलिस को आरोपी की पतासाजी और मृतक की शिनाख्त का जिम्मा सौंपा। तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और क्षेत्रीय पूछताछ के बाद मृतक की पहचान रामा माडे (23 वर्ष), निवासी मलकानगिरी, उड़ीसा के रूप में हुई। रामा रायपुर में आरआर इंडस्ट्रीज, मेटल पार्क रावाभांठा में मजदूरी का कार्य करता था। जांच के दौरान पता चला कि रामा माडे का उसी फैक्ट्री में काम करने वाली सोनम नामक विवाहित महिला से अवैध संबंध था।

पुलिस ने जब सोनम से सख्ती से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। सोनम ने बताया कि घटना के दिन वह और रामा माडे उसके घर में आपत्तिजनक स्थिति में थे। तभी उसका पति कृष्णा बंजारे अचानक घर पहुंच गया। दोनों को उस हालत में देखकर वह गुस्से से बेकाबू हो गया और लकड़ी के बत्ते से रामा माडे के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से रामा की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या को छिपाने के लिए देर रात सोनम और उसके पति कृष्णा ने अपने रिश्तेदार रामकृष्ण बंजारे उर्फ राजाराम को बुलाया। तीनों ने मिलकर शव के हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए, पहचान छिपाने के लिए चेहरे पर कपड़ा बांधा और फिर शव को बोरी में भर दिया। इसके बाद आरोपी कृष्णा बंजारे अपनी मोटरसाइकिल (CG 04 DV 9405) से शव को ले जाकर रावाभांठा स्थित खाली प्लॉट में फेंक आए।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के कुछ ही घंटों के भीतर तीनों आरोपी कृष्णा बंजारे (44 वर्ष), निवासी आजाद नगर, महादेव चौक, रावाभांठा रामकृष्ण बंजारे उर्फ राजाराम (40 वर्ष), निवासी रावाभांठा तिरंगा चौक सोनम बंजारे (30 वर्ष), पत्नी कृष्णा बंजारे, निवासी आजाद नगर, महादेव चौक, रावाभांठा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से मृतक रामा माडे का मोबाइल फोन, हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा और शव ले जाने में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

युवक की कुल्हाड़ी से हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। जिले के अंजोरा चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंगोरी में ईंट भट्ठा के पास स्थित लेबर क्वार्टर में आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि बात खून-खराबे तक पहुंच गई। विवाद के दौरान किशन साहू पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल किशन को उपचार के लिए जिला अस्पताल दुर्ग लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिशों के बावजूद मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही अंजोरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच शुरू की। मृतक किशन साहू की हत्या के मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया और जांच को आगे बढ़ाया। जांच में स्पष्ट हुआ कि घटना को अंजाम देने में तीन लोगों का हाथ है। पुलिस ने जिन आरोपियों को चिह्नित किया है उनके नाम काशी चौहान, धन साय साहू और लकेश यादव हैं।

तीनों आरोपियों ने लेबर क्वार्टर में हुए विवाद के दौरान किशन साहू पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया था, जिससे उसकी जान चली गई। हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफहत्या का अपराध दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। वर्तमान में पुलिस आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर रही है, ताकि विवाद की असली वजह और घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ सके। बताया जा रहा है कि मृतक और आरोपी पहले से एक-दूसरे को जानते थे और ईंट भट्ठा क्षेत्र में ही मजदूरी का काम करते थे। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, मामूली विवाद ने उग्र रूप लिया और देखते ही देखते हत्या जैसी गंभीर वारदात हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने भी मामले की निगरानी शुरू कर दी है। वहीं, अंजोरा चौकी पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा। इस हत्या ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

रायगढ़ में हाथियों का उत्पातः घरों व फसलों को पहुंचाया नुकसान

श्रीकंचनपथ

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में हाथियों के मूवमेंट से लोगों में दहशत का माहौल है। लैलूंगा रेंज में हाथियों के दल ने 3 कच्चे मकानों को तोड़ दिया। साथ ही 9 किसानों के फसल को रौंद कर बर्बाद कर दिया। जानकारी के मुताबिक, धरमजयगढ़ वन मंडल के लैलूंगा रेंज के जंगल से 27 हाथियों का दल बैगिनझरिया गांव के करीब पहुंच गया है। रविवार की रात हाथियों ने दयाराम मांझी, मयाराम मांझी, परमीन मांझी के कच्चे मकानों में तोड़फोड़ कर बोरे में रखे धान खा गए।

जबकि घर में रखे कुछ घरेलू सामानों को भी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों को हाथियों के आने की जानकारी हुई तो सभी घरों से बाहर निकल गए। मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद वनकर्मी और ग्रामीणों ने हाथियों को जंगल की ओर भगाने के लिए हो-हल्ला शुरू कर दिया। इस दौरान हाथियों ने 9 किसानों के फसल को भी बर्बाद कर दिया। इससे कुछ देर बाद हाथियों का दल वापस जंगल की ओर चले गया। जिले के जंगल में 187 हाथी अलग-अलग जंगलों में विचरण कर रहे हैं। धरमजयगढ़ वन मंडल की बात करें तो 127 हाथी अलग-अलग रेंज में विचरण कर रहे हैं। जिसमें लैलूंगा रेंज में सर्वाधिक 61 हाथी, छाल में 22, बोरो में 13, कापू में 13, बाकारूमा में 11 के अलावा धरमजयगढ़ में 7 हाथियों की मौजूदगी है।

इसके अलावा रायगढ़ वन मंडल में 60 हाथी हैं। जिसमें घरघोड़ा रेंज में 28, रायगढ़ में 22 के अलावा तमनार रेंज में 10 हाथियों की मौजूदगी है। लैलूंगा सब डिवीजन के SDO एमएल सिदार ने बताया कि हाथियों ने 3 मकानों को और 9 किसानों के फसल को नुकसान किया है। जिसका आकलन विभाग कर रहा है। इसके अलावा लैलूंगा सब डिवीजन क्षेत्र में 61 हाथी विचरण कर रहे हैं। उनके मूवमेंट पर लगातार नजर रखा जा रहा है। साथ ही गांव-गांव में मुनादी भी कराई जा रही है।

मालगाड़ी के सामने कूदकर युवक ने दी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से रविवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई है। दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के ग्राम सूअरबोड़ के पास एक युवक ने तेज रफ्तार मालगाड़ी के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। ट्रेन के पहियों के नीचे आने से युवक का शरीर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह घटना रविवार शाम करीब 5.30 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, दल्लीराजहरा से आयरन ओर (लौह अयस्क) लेकर जा रही मालगाड़ी जैसे ही कुसुमकसा और भैंसबोड़ स्टेशन के बीच पहुंची, अचानक एक युवक पटरियों पर कूद पड़ा। ट्रेन की स्पीड तेज होने के कारण ड्राइवर उसे रोक नहीं सका और युवक उसके नीचे आ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही युवक ने ट्रेन के सामने छलांग लगाई, कुछ ही सेकंड में हादसा हो गया। ट्रेन के भारी-भरकम पहिए उसके शरीर पर चढ़ गए और उसका सिर, हाथ और पैर कट गया। शरीर क्षत-विक्षत हालत में पटरी पर ही पड़ा मिला। हादसा इतना भयानक था कि आसपास मौजूद लोगों ने भी देखने से परहेज किया। कपड़ों और हाथ पर गुदे नाम से सुराग दल्लीराजहरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। युवक का चेहरा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है। हालांकि, उसने नीले रंग की टी-शर्ट और हरे रंग का लोअर पहन रखा था। इसके अलावा उसके हाथ पर पालेश सलामें नाम गुदा हुआ मिला है। पुलिस ने इसे अहम सुराग मानते हुए युवक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। टीआई रविशंकर पांडेय ने बताया कि फिलहाल शव को बीएसपी अस्पताल की मर्चूरी में रखा गया है। आसपास के गांवों में युवक की तस्वीर और हाथ पर लिखे नाम की जानकारी भेजी गई है, ताकि परिजनों तक सूचना पहुंच सके।

पुलिस का मानना है कि युवक ने खुदकुशी की है, लेकिन इसके पीछे की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि युवक किन हालातों से गुजर रहा था। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ भी शुरू कर दी है, ताकि उसकी पहचान और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके। इस दर्दनाक घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। शाम का समय होने के कारण स्टेशन के आसपास और ट्रैक किनारे कई लोग मौजूद थे, जिन्होंने घटना को करीब से देखा। लोगों का कहना है कि युवक अचानक ट्रैक पर आया और कुछ समझने से पहले ही उसने छलांग लगा दी। घटना इतनी अप्रत्याशित थी कि लोग उसे रोक भी नहीं पाए।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि ट्रेन से आत्महत्या की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने रेलवे और पुलिस प्रशासन से पटरियों के आसपास चौकसी बढ़ाने की मांग की है। ज्ञात हो कि बीते कुछ महीनों में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने की घटनाएं बढ़ी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अवसाद और मानसिक तनाव के कारण कई लोग ऐसे कदम उठा रहे हैं। हालांकि, पुलिस हर मामले की जांच कर रही है ताकि असल वजह का पता लगाया जा सके।

गुण्डरदेही के फार्म में हाईप्रोफाइल जुए के फड़ पर पुलिस का छापा, 16 जुआरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के गुंडरदेही थाना क्षेत्र में पुलिस ने रविवार देर रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए हाईप्रोफाइल जुए की फड़ पर छापा मारा। यह कार्रवाई ग्राम डगनिया स्थित ग्रीन कोया फार्म के फ्लैट नंबर 10 के लॉन में की गई, जहां प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे 16 जुआरी भारी रकम दांव पर लगाकर जुआ खेल रहे थे। गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

छापेमारी के दौरान 8 लाख 12 सौ रुपये नकद और 3 कारें जब्त की गईं। पुलिस ने मौके पर पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इस प्रकार है मोहम्मद फहीम (38 वर्ष) निवासी गंज पारा, दुर्ग प्रमोद निवारे (37 वर्ष) निवासी चंगोराभाठा टिकरापारा, रायपुर रोशन कुमार (37 वर्ष) निवासी इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, रायपुर अनिकेत लक्ष्यवाणी (27 वर्ष) निवासी रतन कॉलोनी दानिटोला, धमतरी राजीव तिवारी (34 वर्ष) निवासी शक्ति बाजार, रायपुर केवल दास भारती (30 वर्ष) निवासी कमल विहार, रायपुर नागेश्वर साहू (29 वर्ष) निवासी कांदुल मोहदापारा, रायपुर ओमप्रकाश चंद्रा (32 वर्ष) निवासी देवसागर भटगांव, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जितेंद्र सिंधी (32 वर्ष) निवासी इंद्रप्रस्थ मस्जिद के पास, रायपुर मनीष पटेल (30 वर्ष) निवासी लाखेनगर, रायपुर संजय महेश्वरी (50 वर्ष) निवासी गंजपारा, दुर्ग पप्पू साहू (38 वर्ष) निवासी राजीव नगर, दुर्ग हेमलाल ढीमर (26 वर्ष) निवासी रुआबांधा, दुर्ग परमानंद कुर्रे (30 वर्ष) निवासी हंचलपुर अर्जुनी, धमतरी कमलेश साहू (54 वर्ष) निवासी बोरियाखुर्द, रायपुर, जितेंद्र सिंह (32 वर्ष) निवासी बोरियाखुर्द, रायपुर पुलिस की सख्ती और निगरानी गुंडरदेही थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को लंबे समय से इलाके में बाहरी जिलों से आकर हाईप्रोफाइल जुआ खेलने की शिकायतें मिल रही थीं। इसी सूचना पर पुलिस ने योजना बनाकर छापा मारा और आरोपियों को पकड़ लिया। बाहरी जिलों से आकर जुआ खेलने वालों की पहचान कर उनके खिलाफभी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शराब दुकान और अहाता सेंटर संचालक के बीच मारपीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के बरपाली गांव में अंग्रेजी शराब दुकान और उससे जुड़े अहाता सेंटर को लेकर लगातार विवाद गहराता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में चखना दुकान संचालक और पड़ोसी दुकानदार के बीच जमकर मारपीट हो गई।

घटना के बाद से गांव में तनावपूर्ण माहौल है और प्रशासन पर विवाद को शांत कराने का दबाव बढ़ गया है। विवाद की शुरुआत जानकारी के अनुसार, अहाता सेंटर के संचालक राजेश शर्मा और पड़ोसी दुकानदार कैला रात्रे के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। रविवार को यह विवाद अचानक मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की, गाली-गलौज और हाथापाई का वीडियो सोशल मीडिया पर फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया। अहाता सेंटर संचालक राजेश शर्मा ने मामले की शिकायत जिला आयुक्त से की है। उनका आरोप है कि कैला रात्रे अपने घर और दुकान में अवैध शराब पिलाती हैं और विवाद की जड़ में भी वही शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि उन्होंने कई बार कैला रात्रे को समझाया कि दुकान में केवल चखना बेचना नियम है, शराब पिलाना नहीं। लेकिन कैला रात्रे ने इसे निजी रंजिश का रूप देते हुए मारपीट की और हिंसा को बढ़ावा दिया।

विवाद बढ़ने और वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल जांच जारी है और दोनों पक्षों से बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बैठक के बाद बढ़ा तनाव गांव में पहले से ही शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर बैठक बुलाई गई थी। बैठक में ग्रामीणों ने शराब दुकान और अहाता सेंटर के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई थी। ग्रामीणों का कहना है कि शराब दुकान और अहाता सेंटर के कारण गांव में अपराध और विवाद की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसी बीच मारपीट और वीडियो वायरल होने की घटना ने तनाव को और गहरा दिया।

मारपीट की घटना के बाद से गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया है। लोग शराब दुकान को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दुकान की वजह से न सिर्फ झगड़े बढ़ रहे हैं, बल्कि युवा पीढ़ी भी नशे की चपेट में आ रही है। वहीं, प्रशासन और पुलिस पर अब विवाद सुलझाने और गांव का माहौल सामान्य करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

नाव पलटने से दो छात्र डूबे, तलाश जारी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। भैरमगढ़ ब्लॉक के नेलगोंडा घाट पर इंद्रावती नदी पार करते समय नाव पलटने से दो छात्र डूबकर लापता हो गए। दोनों युवक नाव के जरिए नदी पार कर रहे थे कि अचानक संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई और छात्र तेज बहाव में बह गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस प्रशासन को अवगत कराया। कुछ ग्रामीणों ने मौके पर ही खोजबीन शुरू की लेकिन गहराई और तेज धारा के चलते छात्रों का पता नहीं चल सका।

पत्नी की हत्या कर फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

रायगढ़। जिले के कोतरारोड़ थाना क्षेत्र में पत्नी की हत्या कर फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी भीखम दास महंत उर्फ भीखो उर्फ विक्रम (40 वर्ष), निवासी बालमगोड़ा को पुलिस ने केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर पकड़ा।

10 अगस्त 2025 का है, जब आरोपी ने अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई की थी, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। मामला थाना कोतरारोड़ अंतर्गत ग्राम बालमगोड़ा का है। 10 अगस्त को गांव की एक महिला (40 वर्ष) को ग्रामीणों की मदद से संजीवनी 108 एंबुलेंस के जरिए मेडिकल कॉलेज रायगढ़ लाया गया था। इलाज के दौरान उसी दिन महिला की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी भीखम दास महंत करीब छह माह पहले महिला को रेलवे स्टेशन से लाकर अपने साथ पत्नी की तरह रहने लगा था।

ग्रामीणों के अनुसार आरोपी अक्सर महिला से विवाद करता और मारपीट करता था। कई बार ग्रामीणों ने उसे समझाया, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। हत्या की रात 7 अगस्त की रात आरोपी ने महिला को बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान उसके सिर में गंभीर चोट आई और हाथ जल जाने से उसमें फफोले हो गए। हालत बिगड़ने पर ग्रामीणों ने उसे अस्पताल ले जाने की बात कही, लेकिन आरोपी महिला को एक परिचित के घर के पास छोड़कर भाग गया।

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

तीजा पर्व

सभी माताओं- बहनों और प्रदेश वासियों को तीजा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

महतारी वंदन योजना

69.19 लाख से अधिक महिलाओं को
₹11,728 करोड़ की सहायता

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला पहला राज्य,
संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी मदद

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय हेतु मिलेगा **व्यापक बाज़ार**

मानदेय सीधे बैंक खातों में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय अब सीधे **बैंक खातों में भुगतान से पारदर्शिता**

महतारी सदन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सभी ग्राम पंचायतों में **उद्यम-व्यवसाय केंद्र की स्थापना**

छत्तीसगढ़ महिला कोष

महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए **वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण**

सक्षम योजना

विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित महिलाओं को **स्वावलंबन के लिए सहयोग**

लखपति दीदी योजना

प्रत्येक जिले में **35,000**
महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना

बिहान योजना

इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को **स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के माध्यम से संगठित करना,** वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध कराना और उन्हें सशक्त बनाना है

मिनीमाता महतारी जतन योजना

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद **₹20,000** की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना

18 से 50 वर्ष की महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन हेतु सहायता

सुशासन से समृद्धि की ओर

सशक्त महिलाएं

समृद्ध छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

RO-45017/93

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950